

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष : 16 | अंक: 141 | पेज: 12 | mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, 10 सितंबर 2026 (गुरुवार) ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

‘किताबें किसी को अपराधी नहीं बनाती’

हाई कोर्ट से कश्मीरी स्कॉलर को बड़ी राहत

‘ अदालत ने अपने आदेश में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं ने इस आधार पर हिरासत को चुनौती दी है

द्वारा कश्मीर के इतिहास पर आधारित 25 पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाने के एक साल बाद आई है।

उनके पिता के पूर्व उग्रवादी संबंधों, अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलनों में उनके निमंत्रण, उनके

मिल गई थी। जस्टिस मोक्षा खजुरिया काज़मी ने पिछले सप्ताह अपने आदेश में कहा, ‘यहां इस बात पर भी जोर देना जरूरी है कि प्रतिवादियों ने याचिकाकर्ता के नाम पर कोई विध्वंसक गतिविधि नहीं दिखाई है, जिसके कारण उन्हें निवारक हिरासत का सहारा लेना पड़ा हो। ‘ अदालत ने अपने आदेश में कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं ने इस आधार पर हिरासत को चुनौती दी है कि यूएपीए मामले को छोड़कर हिरासत में लेने वाले अधिकारी ने ऐसी किसी विशिष्ट गतिविधि का उल्लेख नहीं किया है, जो राज्य के लिए हानिकारक हो। आदेश में आगे कहा कि अधिकारियों को यह पता था कि आरोपी/बंदी को जमानत

मिल चुकी है, क्योंकि इसका उल्लेख उनके जवाब और हिरासत के आधार में किया गया था। लेकिन इसके बावजूद हिरासत में लेने वाले अधिकारी ने यह तय करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किया कि जमानत पर बाहर रहने के दौरान उसकी गतिविधियां वास्तव में ऐसी थीं या नहीं, जिनसे उसे दोबारा नुकसानदायक गतिविधियों में शामिल होने की आशंका बनती है। इसी वजह से कोर्ट ने माना कि बंदी को हिरासत में लेने के फैसले में अधिकारियों ने अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। इसलिए याचिकाकर्ता के वकील की यह दलील सही है कि हिरासत का आदेश उचित तरीके से विचार करने के बाद नहीं बनाया गया था।

गणेश उत्सव में डीजे बजाने को लेकर महायुति में मतभेद

नवनीत राणा बोलीं- जिन्हें दिक्कत है वह पाकिस्तान चले जाएं

एजेंसी मुंबई। महाराष्ट्र में 14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव में डीजे के इस्तेमाल को लेकर महायुति गठबंधन में मतभेद सामने आने लगे हैं। गणेश उत्सव में डीजे के इस्तेमाल को लेकर बीजेपी, शिवसेना और NCP इन तीनों दलों की अलग-अलग राय है। 14 सितंबर से शुरू होकर अगले 11 तक चलने वाले गणेश उत्सव में डीजे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की मांग ने इन मतभेदों को पैदा किया है। यह मांग पुणे में हुई है, लेकिन इसने पूरे महाराष्ट्र की राजनीति प्रभावित कर दिया है। **पुणे में उठी है डीजे को प्रतिबंध करने की मांग**

गणेश उत्सव में डेजी के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की मांग से पुणे और अन्य हिस्सों में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है जहां विपक्ष ने हाई-डेंसिबल साउंड सिस्टम के इस्तेमाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है तो वहीं सत्ताधारी महायुति की सहयोगी BJP और शिवसेना इस विवाद में बंटी हुई नजर आ रही हैं।

‘मस्जिदों में लगने वाले लाउडस्पीकर पर लगे रोक’

सबसे अधिक चौंकाने वाला बयान तो बीजेपी

की नेता और पूर्व निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने दिया है जिन्होंने कहा है कि जिसे गणेश उत्सव में डीजे से दिक्कत या कोई परेशानी है तो उसे पाकिस्तान चले जाना चाहिए। नवनीत राणा ने कहा



कि पहले मस्जिदों में नमाज के लिए इस्तेमाल होने वाले लाउडस्पीकर पर रोक लगाई जाए।

मेधा कुलकर्णी ने किया विरोध

नवनीत राणा के अलावा BJP में पुणे शहर के प्रेसिडेंट धीरज घाटे ने गणेश उत्सव और गणेश विसर्जन के दौरान डीजे और खेल-ताशों के इस्तेमाल का फुल सपोर्ट किया, लेकिन उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने डीजे के इस्तेमाल का विरोध किया है।

खड़गे परिवार के ट्रस्ट को जमीन आवंटन मामले की नहीं होगी जांच

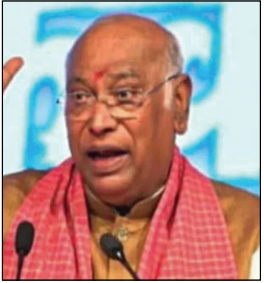
हाई कोर्ट ने रद्द

किया ट्रायल कोर्ट

का फैसला

एजेंसी कोलकाता। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को बेंगलुरु विकास प्राधिकरण की जमान आवंटित किए जाने में कथित अनियमितताओं की जांच से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने आरोपों की जांच करने के लिए गठित स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। यह

मामला 8,001 वर्ग मीटर की बेशकीमती जमीन के आवंटन से जुड़ा है। इस मामले में शिकायतकर्ता ने पुलिस जांच की



मांग की थी। उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विशेष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें अदालत ने खुद जांच शुरू करने का फैसला किया था। मामला

बेंगलुरु विकास प्राधिकरण (BDA) की ओर से सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई 8,001 वर्ग मीटर की बेशकीमती जमीन के आवंटन से जुड़ा है।

18 अगस्त के अपने फैसले में हाई कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की अदालत ने खुद जांच शुरू करके गलती की। शिकायतकर्ता विजयराघव मराठे, जो Forum for a Corruption Free Karnataka के अध्यक्ष हैं, उन्होंने पुलिस जांच की मांग करते समय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) में तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया था। इसके बावजूद निचली अदालत ने मामले में खुद जांच शुरू कर दी।

जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने बीएनएसएस की धारा 223 के तहत अदालत द्वारा जांच के लिए विशेष अदालत के 11 अगस्त के आदेश को रद्द करते हुए फैसला सुनाया, ‘उपचार योग्य दोष के लिए उपचार की आवश्यकता होती है, न कि वैधानिक प्रक्रिया की ही छोड़ने की। ‘कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, ‘संबंधित न्यायालय शिकायतकर्ता को हलफनामे में मौजूद खामियों को दूर करने का अवसर प्रदान करेगा और उसके बाद बीएनएसएस की धारा 175 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का सख्ती से पालन करते हुए शिकायत पर आगे बढ़ेगा, जिसमें जहां भी लागू हो, उसमें निहित सुरक्षा उपायों का अनुपालन भी शामिल है। ‘

यूपी में डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ी

● अब 70 वर्ष तक सेवा देंगे सरकारी डॉक्टर ● डिटी सीएम ब्रजेश पाठक का बड़ा ऐलान

एजेंसी लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के डिटी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने ऐलान किया है कि अब चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की सेवा की उम्र सीमा बढ़ाकर 70 साल कर दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला डॉक्टरों के लंबे अनुभव का लाभ जनता को देने के लिए लिया गया है। डिटी सीएम ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बातचीत के दौरान इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ‘उत्तर प्रदेश के चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाले डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाकर 70 साल कर दी गई है। इसका मतलब है कि डॉक्टर 70

साल की उम्र तक सरकारी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। ‘ पाठक ने कहा, ‘हमने यह फैसला जनहित में लिया है ताकि



मरीजों को सीनियर और स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के अनुभव का फायदा मिल सके। मैं उन सभी डॉक्टरों और उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देता हूं जिन्हें इस फैसले से फायदा होगा। ‘ बता दें कि वर्तमान व्यवस्था के तहत प्रदेश में सरकारी डॉक्टर 65 साल की उम्र तक ही सेवा दे सकते थे लेकिन प्रदेश के

सरकारी अस्पतालों, कम्युनिटी हेल्थ सेंटरस (सीएचसी) और प्राइमरी हेल्थ सेंटरस (पीएचसी) में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सरकार का यह फैसला मरीजों के लिए भी राहत दे सकता है। स्वास्थ्य विभाग का मानना ​​है कि सीनियर डॉक्टरों के पास दशकों का क्लीनिकल अनुभव होता है, जो गंभीर और जटिल बीमारियों के इलाज में बेहद महत्वपूर्ण है। रिटायरमेंट की उम्र 65 से 70 साल करने से अनुभवी डॉक्टरों की सेवाएं पांच साल और मिल सकेंगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और बेहतर होगी। डिटी सीएम के निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही इसका शासनादेश जारी होने की उम्मीद है।

राहुल गांधी वीवीआईपी नहीं...

जल्द सुनवाई की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारे लिए सभी बराबर

एजेंसी नई दिल्ली। राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे आपराधिक मानहानि मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई जल्द कराने की मांग को लेकर अहम टिप्पणी की। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने शिकायतकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया से कहा कि अगर वह मामले की जल्दी सुनवाई चाहते हैं तो इसके लिए बाकायदा अर्जी दायित्व करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके सामने सभी पक्ष समान हैं और मामलों की सुनवाई तय प्रक्रिया के तहत ही होगी। पीठ में सीजेआई सूर्य कांत के अलावा जस्टिस जयमाल्य बागची और

जस्टिस वी. मोहना शामिल हैं। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता की ओर से मामले की लिस्टिंग में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया था। **पांच महीने से सुनवाई न होने का उठाया मुद्दा**

गौरव भाटिया ने अदालत के सामने कहा कि राहुल गांधी कोई वीआईपी या वीवीआईपी नहीं हैं और उनकी ओर से मजिस्ट्रेट के सज्ञान लेने के खिलाफ दाखिल अपील पिछले करीब पांच महीनों से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मामला पहले भी लिस्ट हुआ था, लेकिन उस समय भी सुनवाई नहीं हो सकी। भाटिया ने यह भी दलील दी कि लंबे समय तक मामले का सूचीबद्ध न होना न्यायिक प्रक्रिया और संस्था के लिहाज से उचित नहीं है।

‘अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास लें’

● आकाश आनंद पर पार्टी फिर कर सकती है विचार : मायावती

एजेंसी लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद के राजनीतिक भविष्य को लेकर बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि यदि आकाश आनंद के ससुर और बसपा के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा छोड़कर पूरी तरह राजनीति से संन्यास ले लेंगे हैं, तो पार्टी आकाश आनंद को उनकी जिम्मेदारियां वापस देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकती है। मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को निजी और पारिवारिक स्वार्थ से ऊपर उठकर यह फैसला लेना चाहिए, ताकि आकाश आनंद स्वतंत्र रूप से पार्टी में काम कर सकें। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि

सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब में विधानसभा का आमचुनाव अब बहुत नजदीक है और ये तीनों ही राज्य, बाबा साहेब ड. भीमराव अम्बेडकर के ‘बहुजन



समाज’ को ‘शोषित से शासक वर्ग’ बनने हेतु उनके आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के कारणों को आगे बढ़ाने के लिए बसपा पार्टी और बहुजन मूवमेंट के लिए अति-महत्वपूर्ण ही नहीं बल्कि बहुत विशेष भी हैं, जिसको ध्यान में रखकर ही बसपा के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ता, पदाधिकारी, पार्टी के समर्थक एवं

शुभचिन्तक सभी लोग पूरे तन, मन, धन अर्थात हर प्रकार की कुर्बानी देकर पूरे जो-जान से यहीं सत्ता प्राप्ति का अच्छा रिजल्ट लाने की मुहिम/मिशन में डूटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जबकि खासकर विरोधी पार्टियों तथा जातिवादी तत्वों आदि से ‘बहुजन समाज’, बसपा व ‘बहुजन मूवमेंट’ को, बाबा साहेब ड. भीमराव अम्बेडकर के समय जैसा ही खासकर आरक्षण आदि को लेकर कड़े चैलेन्जों का सामना है, देश की सर्वमान्य अम्बेडकरवादी पार्टी बसपा को सर्वसमाज के सभी लोगों से सहयोग की अपील है और इस क्रम में ‘बहुजन समाज’ के हर अंगों में से खासकर दलित समाज के लोगों को निजी या पारिवारिक स्वार्थ में ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिये जो इसमें बाधा उत्पन्न करे और इतिहास उन्हें माफ ना कर पाए।

आकृति चौधरी पर एनएसए मामले में हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी यूपी सरकार

एजेंसी नई दिल्ली। छात्रा व एक्टिविस्ट आकृति चौधरी की एनएसए हिरासत रद्द करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को उत्तर प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की बेंच को बताया कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल की जाएगी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आकृति चौधरी की एनएसए के तहत हिरासत को रद्द कर दिया था और 5 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह मुआवजा उनकी हिरासत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की सैलरी से वसूला जाए। इसमें गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम और अन्य अधिकारी शामिल हैं। हाईकोर्ट ने नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन में कथित भूमिका को लेकर आकृति चौधरी पर एनएसए लगाए जाने के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। अदालत ने हिरासत के आधार को सिर्फ अनुमान पर आधारित और पर्याप्त सामग्री के अभाव वाला पाया था। हाईकोर्ट ने प्रशासन की कार्रवाई को ‘उपहास के योग्य’ बताते हुए संबंधित अधिकारियों के सर्विस रिकॉर्ड में अदालत की नाराजगी दर्ज करने का भी निर्देश दिया था। अब राज्य सरकार इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने जा रही है।

रोडवेज बस ने दो बाइकों में मारी टक्कर, पांच की मौत

मृतकों में पिता-पुत्री और जीजा-साला शामिल

एजेंसी मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जनपद में बुढ़ाना थाना क्षेत्र के भैसाना गांव के पास बड़ौत मार्ग पर रोडवेज बस ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। भीषण हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बागपत के पिता-पुत्री, कांथला के दो युवक और बुढ़ाना क्षेत्र का एक युवक शामिल है। हादसा बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव के पास हुआ। बताया गया कि रोडवेज बस ने सामने से आ रही दो बाइकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंक्वैलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान पांचों ने दम तोड़ दिया। हादसे में बागपत के तमैला गढ़ी निवासी फरमान और उनकी तीन वर्षीय बेटी अल्लो की मौत हो गई। दोनों पिता-पुत्री थे। वहीं राजपुर गढ़ी, बुढ़ाना निवासी मोमीन की भी हादसे में मौत हुई।



चाहिए, जिससे सभी को प्रेरणा मिले कि देश सबसे पहले है और इसके बाद ही बाकी पार्टियां और परिवार आते हैं। लेकिन कांग्रेस का सिद्धांत हमेशा यही रहा है कि उसे सबसे



गुजरात (आस-पास)

वायबैक और पुरानी कारों के नाम पर किया खेल, जिन पीड़ितों ने अपने पर्सनल अकाउंट में डाउन पेमेंट डलवाया

नाडियाड। नाडियाड शहर के मशहूर ‘प्रोग्रेसिव’ टाटा कार शोरूम में एक सनसनीखेज और चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है। शोरूम के कथित मैनेजर राजन ने कई भोले-भाले कस्टमर्स, नई कार खरीदने वालों और सेकंड-हैंड कार डीलर्स से लाखों रुपये ठगे और रातों-रात भाग गया, जिससे भारी हंगामा मच गया। धोखाधड़ी के शिकार लोगों ने बहुत गुस्सा दिखाया और आज बड़ी संख्या में शोरूम पर इकठ्ठा हुए और जमकर हंगामा किया। शुरुआती जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, कथित मैनेजर राजन पुरानी कारें खरीदने और बेचने वाले लोकल डीलर्स को टारगेट करता था। उसने दूसरे कार मालिकों से ली गई सेकंड-हैंड कारें इन डीलर्स को बेच दीं। डीलरों से सारा कैश और पैसे खुद ले लिए, लेकिन असली कार मालिकों को एक भी रुपया नहीं दिया! इस तरह, मैनेजर ने कार मालिकों और डीलरों दोनों को बीच में फंसाकर बड़ा फाइनेंशियल झटका दिया है। जैसे कि इतना ही काफी नहीं था, जो कस्टमर्स ‘बायबैक’ स्कीम के तहत अपनी पुरानी कारें देकर और एक तय रकम डाउन पेमेंट के तौर पर देकर नई टाटा कार खरीदने शोरूम आए थे, उनके साथ भी खुलेआम ठगी की गई। मैनेजर राजन ने डाउन पेमेंट कैश और पैसे ऋतबत्स के जरिए अपने पर्सनल बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। कस्टमर्स को कुछ ही दिनों में नई टाटा कार देने का वादा किया गया था, लेकिन काफी समय बाद कस्टमर्स को एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। जैसे ही इस ठगी का पता चला, कथित मैनेजर राजन ने अपना फोन बंद कर दिया और रातों-रात फरार हो गया। अपनी मेहनत की कमाई और कारों गंवाने वाले पीड़ित आज बड़ी संख्या में शोरूम पहुंचे। घटना की खबर मिलते ही पुलिस का काफिला भी मौके पर पहुंच गया। फिलहाल पूरा मामला पुलिस स्टेशन पहुंच गया है और पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत लेकर फरार मैनेजर राजन को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

रानीप RTO सर्कल के पास लज्जरी ट्रैवल्स और कारों से 13.25 लाख रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त

अहमदाबाद। गुजरात में शराब बैन के सख्ती से लागू होने के बीच अहमदाबाद शहर LCB जोन-2 टीम ने अवैध शराब के धंधेबाजों के नए तरीके पर चोट की है। शहर के सबसे व्यस्त माने जाने वाले रानीप ऋहड़ सर्कल से गुजरने वाली लज्जरी ट्रैवल्स बस और चार पहिया वाहन से कुल 568 विदेशी शराब की बोतलें जब्त की गई हैं, जिससे एक बड़े शराब रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। LCB जोन-2 पुलिस ने कुल 13,25,544 रुपये जब्त किए हैं और प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज करके आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। जाकारा की आधार पर, अहमदाबाद शहर LCB जोन-2 की टीम गप्त पर थी, तभी उन्हें सटीक जानकारी मिली कि रानिप RTO सर्कल के पास लज्जरी ट्रैवल्स और चार पहिया वाहनों से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब ले जाई जाने वाली है। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत रानिप RTO सर्कल के पास नाकाबंदी की और सौंदग्ध वाहनों को रोककर उनकी तलाशी ली जब पुलिस टीम ने लमजरी बस और चार पहिया कार की अच्छी तरह से जांच की, तो उनमें छोटी और बड़ी कुल 568 विदेशी शराब की बोतलें मिलीं। पुलिस से बचने के लिए वाहनों में खास डिब्बे तैयार किए गए थे, लेकिन शराब तस्कर LCB जोन-2 की तेज नजरों से बच नहीं सके। पुलिस ने मौके से ही लज्जरी ट्रैवल्स बस, चार पहिया वाहन और तस्करी में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों सहित कुल 13,25,544 रुपये की शराब जब्त की है। इसके साथ ही शराब की तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। LCB जोन-2 की टीम ने इस बात की गहराई से जांच शुरू कर दी है कि यह विदेशी शराब कहाँ से लाई गई थी और अहमदाबाद शहर में इसे कैसे सप्लाई करना था। पुलिस ने शराब ऑर्डर करने और भेजने वाले मुख्य बूटलेगर तक पहुंचने के लिए आरोपियों से कड़ी पूछताछ की है।

कांग्रेस MLA इमरान खेड़ावाला के राष्ट्रगान के दौरान अपनी सीट पर बैठ जाने से हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात असेंबली के मॉनसून सेशन के पहले दिन राजनीतिक गरमागर्मी चरम पर पहुंच गई है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया जब कांग्रेस MLA इमरान खेड़ावाला राष्ट्रगान ‘वंदे मातरम’ के दौरान अपनी सीट पर बैठ गए। सत्ताधारी पार्टी BJP ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और कांग्रेस और MLAइमरान खेड़ावाला पर तीखा हमला बोला है।

मंत्री प्रवीण माली का कड़ा हमला: संसदीय परंपराओं का उल्लंघन

गुजरात सरकार के राज्य मंत्री प्रवीण माली ने इस घटना का कड़ा विरोध किया और कहा कि राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत के दौरान खड़ा न होना संसदीय परंपराओं और मर्यादओं का सीधा उल्लंघन है। मंत्री ने आरोप लगाया कि इमरान खेड़ावाला का यह व्यवहार सिर्फ किसी एक गाने का नहीं, बल्कि पूरे देश, भारत माता और देश की पवित्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है। BJP ने मांग की है कि कांग्रेस इस मुद्दे पर अपना स्टैंड साफ करे कि क्या यह खेड़ावाला की निजी राय है या पार्टी भी इस स्टैंड का समर्थन करती है।

इमरान खेड़ावाला की सफाई और आपतिजनक तर्क

विवाद बढ़ने पर कांग्रेस रूझिमरान खेड़ावाला ने मीडिया के सामने सफाई देते हुए कहा, ‘मैं वंदे मातरम के गायन के दौरान सम्मान के साथ खड़ा हुआ था। मैं उनसे ही पल खड़ा रहा जितने जरूरी थे और फिर मैं बैठ गया। यह मेरा निजी फ़ैसला है।’ इसके साथ ही उन्होंने कहा, ‘हमें भगवान के अलावा किसी और की पूजा करने का आदेश नहीं है।’ उनके इस तर्क के बाद राजनीतिक गलियारों में गुस्सा और भी तेज हो गया है।

विधानसभा स्पीकर से शिकायत करने की तैयारी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, BJP इस मुद्दे को सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखना चाहती। रूलिंग पार्टी इस बारे में लेजिस्लेटिव असेंबली के स्पीकर को एक फॉर्मल रिटन रिप्रेजेंटेशन देकर कानूनी और कॉन्स्टिट्यूशनल प्रोविजन के अनुसार कांग्रेस रूके खिलाफ सख्त एक्शन लेने की तैयारी कर रही है।

100 साल पुरानी प्राइवेट सड़कों और CCTV फुटेज के सबूत होने के बावजूद निष्पक्ष जांच पर बड़ा सवालिया निशान

मुख्यमंत्री ऑफिस तक मामला पहुंचने के बावजूद लोकल पुलिस की रहस्यमयी चुप्पी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोसांबा। कोसांबा का बिजनेस कम्युनिटी अब जल्ता पर डंडे और बल प्रयोग कर रही पुलिस के खिलाफ सामने आ गया है। कोसांबा के मशहूर ‘नीमडावाला बाजार’ में कपड़ों का बिजनेस करने वाले मोहम्मदताह सब्बीरभाई कपाड़िया ने कोसांबा पुलिस स्टेशन के PI थुमर के खिलाफ गाली-गलौज, बेहद अपमानजनक व्यवहार और दुकान का सामान तोड़ने की सीधी धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पूरा मामला गांधीनगर मुख्यमंत्री के पब्लिक रिलेशन ऑफिस में ले जाया गया है। गाली-गलौज और धमकी की पूरी घटना एष्ट्रज़्जू फुटेज के सबूत भी बड़े अधिकारियों को सौंपे गई। मिली जानकारी के मुताबिक, 8 अगस्त की शाम कोसांबा पुलिस के एक काफिले ने नीमवाला मार्केट में रेंड मारी। आरोप है कि पुलिस ने दुकान के बाहर रखे कपड़ों के स्टैंड को हटाने के लिए कहने पर वहां काम कर रहे कर्मचारी के साथ बेहद बेशर्मी से गाली-गलौज की। पुलिस को शायद यह पता नहीं था कि उनकी सारी गलत हरकतें और बदमाशी दुकान में लगे एष्ट्रज़्जू कैमरे में कैद हो गई है। व्यापारी ने इस एष्ट्रज़्जू फुटेज के सबूत भी बड़े अधिकारियों को सौंपे हैं। बड़ा दावा कि यह कोई मेन रोड नहीं, बल्कि 100 साल पुरानी प्राइवेट रोड है। व्यापारी मोहम्मद ताहा कपाड़िया ने साफ कर दिया है कि अगर कोई कानूनी सरकारी आदेश या किसी सक्षम अधिकारी का नियम है, तो वह उसे मानने के लिए पूरी तरह तैयार है,

सूरत के इच्छापोर में 7 लाख रुपये कीमत के 11 मवेशियों की सनसनीखेज चोरी: कुछ ही दिनों में मवेशी चोर गैंग के 3 सदस्य पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत शहर के इच्छापोर थाना इलाके के भटपोर गांव से तस्करों ने मवेशी चोरी की एक चौंकाने वाली घटना को अंजाम दिया। 26 अगस्त की शाम को शातिर गैंग ने खुले में चर रहे और बंधे कीमती मवेशियों पर हमला किया और कुल 9 मवेशी और 2 भैंसें चुरा लीं, जिनकी कीमत करीब 7 लाख रुपये थी, और भाग गए। इस घटना से मवेशी पालने वाले समुदाय और स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। इच्छापोर पुलिस का मास्टरस्ट्रेक CCTV और मुखबिरों के आधार पर केस सुलझाया गया केस की गंभीरता को देखते हुए, इच्छापोर पुलिस स्टेशन की टीम ने तुरंत अलग-अलग

किसानों की ज़मीन बचाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सामने मज़बूती से पेश किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली/बनासकांठा। बनासकांठा की पॉपुलर MP गेनीबेन ठाकोर ने देश की राजधानी दिल्ली से किसानों के हक और रोजी-रोटी के लिए मजबूती से आवाज उठाई है। पालनपुर-डीसा बाईपास प्रोजेक्ट की वजह से बनासकांठा के 12 से ज्यादा गांवों के किसानों की बहुत उपजाऊ और उपजाऊ जमीन के अधिग्रहण का डर है। इस गंभीर मुद्दे पर बनासकांठा के किसानों के लिए ढाल बनकर खड़ी गेनिबेन ठाकोर ने दिल्ली में सीधे केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर किसानों का पक्ष मजबूती से रखा है। भोयन, जूना डीसा समेत 12 गांवों के किसानों की रोजी-रोटी जाने का खतरा मली जानकारी के मुताबिक, पालनपुर-डीसा बाईपास रोड के प्रस्तावित नक्शे से भोयन, जूना डीसा और आसपास के 12 दूसरे खुशहाल गांवों के किसानों की कीमती खेती की जमीन जाने का पूरा चांस बन गया है। एक

सौराष्ट्र की कोऑपरेटिव पॉलिटिक्स में जयेश राडाडिया का एकछत्र राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। सौराष्ट्र के कोऑपरेटिव सेक्टर के नेताज बादशाह और जेतपुर रूज्जयेश राडाडिया ने प्रतिष्ठित राजकोट लांथिका खरीद-बिक्री संघ (रा.लो.संघ) चुनाव में अपनी ताकत दिखाकर BJP लीडरशिप को करारा जवाब दिया है। जयेश राडाडिया ग्रुप ने BJP प्रदेश संगठन द्वारा घोषित ऑफिशियल विज और कैडिडेट को धूल चटाकर सभी अहम सीटों पर एकतरफा जीत का परचम लहराया है। इन नतीजों ने साबित कर दिया है कि सौराष्ट्र के कोऑपरेटिव सेक्टर में जयेश राडाडिया का कद और वजन पार्टी से कहीं ज्यादा है। कुवाडवा सीट पूर्व मंत्री अरविंद रैयानी की शर्मनाक हार ND के इस हाई-वोल्टेज चुनाव

लेकिन पुलिस की गैर-कानूनी बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। व्यापारी ने जगह की हालत के बारे में साफ दावा करते हुए कहा है कि दुकान के सामने लगभग 10 फुट की सड़क कोई पब्लिक मेन रोड नहीं है। यह जगह एक प्राइवेट ट्रस्ट की मालिकी वाली पैदल चलने वाली सड़क है जो 100 साल से भी ज्यादा पुरानी है, जिसे ‘नीमडावाला बाजार’ के नाम से जाना जाता है। पुलिस किस अधिकार से प्राइवेट जगह पर काम कर रही है, यह भी एक बड़ा सवाल है।

जांच का बड़ा तमाशा: PI के खिलाफ शिकायत की जांच हेड कांस्टेबल से

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली और मजेदार बात यह सामने आई है कि जिस थाना इंचार्ज PI थुमर के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं, उसी शिकायत की जांच एक छोटे पद के हेड कांस्टेबल को सौंप दी गई है! कानूनी जानकार भी यह देखकर हैरान हैं कि कौन सा हेड कांस्टेबल अपने से ऊपर के अधिकारी के खिलाफ निष्पक्ष जांच करने की हिम्मत कर सकता है? किस अधिकारी के आदेश पर यह जांच हेड कांस्टेबल को सौंपी गई? क्या यह सिर्फ कागजों पर जांच करके PI को बचाने की चाल है? ऐसे कई सवालों से जांच की नैतिकता पर बड़े सवालिया निशान लग गए हैं।

सूरत के इच्छापोर में 7 लाख रुपये कीमत के 11 मवेशियों की सनसनीखेज चोरी: कुछ ही दिनों में मवेशी चोर गैंग के 3 सदस्य पकड़े गए



टीमें बनाई और गंभीरता से जांच शुरू की। घटनास्थल और आस-पास की सड़कों के CCTV फुटेज को डिटेल में एनालाइज किया गया। पुलिस की टेक्निकल टीम और खास इंसानी मुखबिरों के नेटवर्क के आधार पर, पुलिस ने कुछ ही दिनों में मवेशी चोरी की इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश कर दिया है।

किसानों की ज़मीन बचाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सामने मज़बूती से पेश किया



किसान के लिए उसकी जमीन सिर्फ मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार का पेट पालने का जरिया और उसके भविष्य का आधार होती है। विकास के नाम पर किसानों को बर्बाद होने से बचाने के लिए सांसद गेनीबेन ने केंद्रीय मंत्री से खुद मिलकर एक डिटैल्ड लेटर सौंपा और उन्हें पूरी स्थिति से वाकिफ कराया। पाटन-नवीन रोड का काम रोककर रिजर्व सर्वे कराने की मांग यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सांसद ने पाटन-नवीन रोड के काम को लेकर भी मंत्री के सामने एक ज्वलंत सवाल उठाया।



तया गांधीनगर से कार्रवाई होगी या खाकी वाले एक-दूसरे को बचाएंगे?

बिजनेसमैन का विरोध पुलिस की कानूनी कार्रवाई के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन अधिकारियों की बदतमीजी, गाली-गलौज और धमकियों के खिलाफ है, जिनका काम कानून की रक्षा करना है। अब जब

कलोल में बेटा बना पिता का वारिस: अमेरिका से आए 40 साल के कल्पेश प्रजापति को पिता की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार किया गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर के कलोल शहर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जो पिता-पुत्र के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करती है और दिल को झकझोर देती है। पैसे के लेन-देन और घरेलू पारिवारिक विवाद में अंधे हुए बेटे ने अपने असली पिता की डंडे से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी है। सिर्फ छह महीने पहले अमेरिका से लौटे हनुबू बेटे की इस बेरहमी से की गई हरकत से पूरे कलोल और गांधीनगर जिले में काफी दहशत फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, कलोल में रहकर अलग ज़िंदगी जीने वाले कालीलाल प्रजापति साइकिल पंचर की दुकान चलाकर अपना गुजारा करते थे। घटना वाले दिन कालीलाल की अपनी पत्नी मधुभान से किसी बात पर तीखी बहस हुई और गुस्से में उसने अपनी पत्नी को डंडे से पीट दिया। मां पर हमले की बात पता चलते ही उसका 40 साल का बेटा कल्पेश प्रजापति गुस्से से भर गया। कल्पेश अपने पिता को समझाने के बहाने अपनी साइकिल की दुकान पर पहुंचा। दुकान पर पहुंचने के बाद, पुराने पैसे के लेन-देन और मां पर हमले को लेकर पिता-पुत्र में तीखी लड़ाई शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बिगड़ गया कि गुस्से में अंधा कल्पेश ने कानून और खून के रिश्तों को ताक पर रख दिया। उसने वहां पड़ा डंडा उठया और अपने ही पिता कालीलाल पर जानलेवा हमला कर दिया। कल्पेश ने अपने पिता के शरीर और फिर पर एक के बाद एक दिल दहला देने वाले डंडों से वार किए। बेटे के बेरहमी से किए गए हमले से कालीलाल लहलुहान हालत में जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद आस-पास के लोग इकठ्ठा हो गए और गंभीर रूप से घायल कालीलाल को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाने की कोशिश की, लेकिन हॉस्पिटल पहुँचने से पहले ही कुछ देर के इलाज के दौरान या मौके पर ही उनकी मौत हो गई हत्या की इस सनसनीखेज घटना की खबर मिलते ही कलोल सिटी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बांडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और कानूनी केस दर्ज किया।

मनपसंद जिमखाना के मास्टरमाइंड गोविंद पटेल उर्फ गामा समेत 6 असामाजिक तत्वों को वक़्त के तहत जेल भेजा गया है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस ने अहमदाबाद शहर में असामाजिक गतिविधियों और गैर-कानूनी जुए के अह्दू चलाने वाले माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। बदनाम मनपसंद जिमखाना, जो मौज-मस्ती और गैर-कानूनी कामों का अड्डा बन गया है, के मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड गोविंद पटेल उर्फ गामा समेत कुल 6 आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है और उन्हें PASA (प्रिवेशन ऑफ़ एंटी-सोशल एक्टिविटीज एक्ट) के तहत अलग-अलग जेलों में भेज दिया है। अहमदाबाद शहर पुलिस कमिश्नर शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। मनपसंद जिमखाना में गैर-कानूनी कामों, जुए के अड्डों और एंटी-सोशल कामों के खिलाफ दर्ज अपराधों को ध्यान में रखते हुए, इन सभी आरोपियों के खिलाफ केस का प्रस्ताव तैयार किया गया था। मंजूरी मिलते ही पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को हिरासत में लेकर राज्य की अलग-अलग इंटरमीडिएट जेलों जैसे भुज, राजकोट, वडोदरा और सूरत में भेज दिया है। गामा से जुड़े और जिमखाना में गैर-कानूनी कामों में मदद करने वाले 5 अन्य सहयोगी/पार्टनर। मनपसंद जिमखाना में पहले ही पुलिस रेड के दौरान करोड़ों रुपये के अकाउंट, जुए का साहित्य और गैर-कानूनी काम जब्त किए गए हैं। हालांकि, पुलिस ने आधिकारिक इन तत्वों को एक पक्का सबक सिखाया है जो कानून को अपनी जेब में रखकर केस के हथियार का इस्तेमाल करके घूम रहे हैं। पुलिस की इस सख्त और आक्रामक कार्रवाई से एंटी-सोशल एक्टिविटी में शामिल अपराधियों में भारी खलबली मच गई है। अहमदाबाद पुलिस ने साफ चेतावनी दी है .

करणी सेना के युवा अध्यक्ष लखन दरबार खाना छोड़कर धरने पर बैठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाजवा वडोदरा। वडोदरा के पास बाजवा गांव में एक गंभीर गैस लीक हादसे में एक मासूम युवक की मौत को लेकर पूरे इलाके में सन्नाटा और भारी गुस्सा फैला हुआ है। घटना के 3 दिन बीत जाने के बावजूद मृतक घनश्यामभाई मकवाना के परिवार के सदस्यों में भारी गुस्सा है क्योंकि प्रशासन या जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की लड़ाई में करणी सेना के युवा अध्यक्ष लखन दरबार खुद बाजवा गांव में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले गए हैं। ‘3 दिन बाद भी एडमिनिस्ट्रेशन चुप है’ : मृतक की बहन गुस्से में एडमिनिस्ट्रेशन की बड़ी लापरवाही पर गंभीर आरोप लगाते हुए, पीड़ित परिवार की बहन ने कहा, ‘मेरे भाई घनश्यामभाई मकवाना की गैस पॉइजनिंग से दुखद मौत हो गई। घटना को तीन दिन बीत जाने के बाद भी, एडमिनिस्ट्रेशन या जिम्मेदार लोगों की तरफ से कोई जांच या कानूनी भरोसा नहीं मिला है। ‘ घटना की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय महिलाएं भी बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलकर परिवार के समर्थन में विरोध स्थल पर पहुंच गई हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं। साफ तौर पर मांग की गई है कि जिस कंपनी या ऑर्गनाइजेशन की लापरवाही इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार है, उसके खिलाफ तुरंत क्रिमिनल केस दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जाए इंसाफ न मिलने तक आंदोलन जारी रखने की धमकी मृतक के परिवार वालों और गांव के नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। वडोदरा एडमिनिस्ट्रेशन को इस लापरवाही के खिलाफ स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है।

डभोई के शिनोर चौकड़ी इलाके में स्थित विमल सोसायटी के निवासियों के लिए प्रशासन की बड़ी लापरवाही भारी पड़ गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सड़क के काम और ओवरफ्लो हो रहे सीवर के पानी के कारण स्थानीय लोग नरक जैसे हालात में रहने को मजबूर हैं। सड़क निर्माण के दौरान ड्रेन लाइन नहीं तोड़े जाने के कारण सीवेज का पानी पूरे इलाके में वापस बह गया है, जिसके कारण स्थानीय लोगों में नगर पालिका और PWD के खिलाफ काफी गुस्सा है। महामारी और एक्सीडेंट का बड़ा खतरा सोसाइटी के मेन गेट और सड़क पर लगातार बदबूदार सीवेज का पानी भरा रहता है, जिससे आस-पास के इलाके में मच्छरों का आतंक है। जानलेवा महामारी का डर सीवेज का पानी जमा होने से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा महामारी फैलने का बड़ा डर है। एक्सीडेंट कैटेगरी: सड़क पर जमा कीचड़ और मिट्टी की वजह से ड्राइवर फिसलकर गिर रहे हैं और पैदल चलने वाले लगातार एक्सीडेंट का शिकार हो रहे हैं। आने वाले दिनों में होने वाले गणेश महोत्सव को लेकर भक्तों में बड़ी चिंता है। जिस जगह पर पारंपरिक रूप से गणपतिजी की स्थापना की जाती है, वह जगह इस समय सीवेज के पानी और कीचड़ से भरी हुई है। इसलिए, भक्त और सोसाइटी के लोग इस पवित्र त्योहार को कैसे मनाएं, इसे लेकर गंभीर संकट में हैं। प्रशासन की बेपरवाही और जिम्मेदारी से बचना स्थानीय निवासियों ने प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि दोनों विभाग एक-दूसरे पर आरोप लगाना बंद करें और टूटी हुई ड्रेनेज लाइन को तुरंत ठीक करें और पानी की निकासी का पक्का इंतजाम करें। अगर प्रशासन ने जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान नहीं किया, तो विमल सोसाइटी के सभी निवासी इकठ्ठा होकर PWD ऑफिस जाकर उसका जमकर घेराव करेंगे और आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

दभोई में नई रेलवे सर्विस का ग्रैंड वेलकम प्रधानमंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा से 35,700 करोड़ रुपये से ज्यादा के रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और उद्घाटन किया। इसके तहत, डब्लू रोड-वडोदरा (प्रतापनगर) पैसेंजर ट्रेन और डेडिकेटेड मालगाड़ी सर्विस का दभोई स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया गया। वडोदरा में आयोजित एक ग्रैंड सेरेमनी में, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रेलवे को मॉडर्न बनाने और इसकी ट्रांसपोर्ट कैपेसिटी बढ़ाने के लिए 35,700 करोड़ रुपये से ज्यादा के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन, उद्घाटन और देश को समर्पित किया। इन बड़े प्रोजेक्ट्स के तहत, डब्लू रोड-वडोदरा (प्रतापनगर) नई रेलवे सर्विस और मालगाड़ी सर्विस शुरू की गई है। इन डेवलपमेंट के तहत, नई ट्रेन सर्विस का दभोई रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर ग्रैंड वेलकम किया गया। ट्रेन को रेलवे डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारियों के साथ-साथ लोकल पॉलिटिकल और सोशल लीडर्स की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाई गई। लोकल लोगों को फायदा: नई कोन्क्टिविटी से डभोई और आस-पास के ग्रामीण इलाकों के यात्रियों, रोजाना आने-जाने वालों और व्यापारियों को बहुत फायदा होगा। बिजनेस और रोजगार को बढ़ावा इस नई सुविधा के शुरू होने से डभोई इलाके के बिजनेस और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और ट्रांसपोर्ट सर्विस तेज और ज्यादा आसान हो जाएगी। इस वेलकम प्रोग्राम के दौरान बड़ी संख्या में रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन और लोकल लीडर मौजूद थे अखिनभाई पटेल वंदन पंड्या (पूर्व जनरल सेक्रेटरी) विनोद वसावा के साथ रेलवे कर्मचारी, लोकल वर्कर और नागरिक।

पीयूष जनरल स्टोर से 15 लाख से ज्यादा कीमत के कैश से भरा बैग लेकर एक आदमी फरार हो गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झगड़िया। तालुका के राजपारखी गांव में चौराहे के पास दिनदहाड़े लाखों की कैश चोरी की घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, राजपारखी चौराहे के पास पीयूष जनरल स्टोर में सुबह-सुबह एक अनजान आदमी दुकान में घुसा। बिजनेसमैन कुछ देर के लिए दुकान के अंदर काम करने गया था, इसी दौरान अनजान आदमी ने मौके का फायदा उठाकर 15 लाख से ज्यादा कीमत के कैश से भरा बैग लेकर फरार हो गया। जब बिजनेसमैन कुछ मिनट बाद वापस लौटा तो कैश से भरा बैग गायब होने पर चोरी की जानकारी हुई। जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद राजपारखी पुलिस के अलावा SOG और LCB की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने दुकान और आसपास के इलाके में लगे कैमरे की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और अनजान आदमी की पहचान करने और उस तक पहुंचने के लिए अलग-अलग दिशाओं में जांच शुरू कर दी है।

महानगर मेट्रो

दुबई से समुद्र के रास्ते एल्युमिनियम के नाम पर लोहा और मिट्टी का कचरा भेजकर बिजनेसमैन को टगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के दहेगाम GIDC में गणेश इंडक्टो कास्ट LLP के नाम से एल्युमिनियम बनाने का बिजनेस करने वाले एक बिजनेसमैन से एल्युमिनियम स्क्रैप की ट्रेडिंग के बहाने 2.22 करोड़ से ज्यादा की बड़ी रकम ठगी गई। पुलिस ने दहेगाम पंथक में व्यापारियों से ठगी के एक और बड़े इंटरनेशनल स्कैम का पर्दाफाश हुआ है। यह पूरा स्कैम साल 2019 में प्रवीणभाई कांतिभाई पटेल से शुरू हुआ था, जो दहेगाम GIDC में ‘गणेश इंडक्टो कास्ट LLP नाम से एल्युमिनियम बनाने का बिजनेस कर रहे थे और कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर थे। जब प्रवीणभाई पटेल कड़ी में मौजूद एक



कंपनी से कच्चा लोहा खरीद रहे थे। उस दौरान, वहां सेल्समैन का काम करने वाले नीरज रामअवतार कुमार उनके संपर्क में आए। उन्होंने उनसे कहा कि उनके पास विदेश से, खासकर रू और दुबई से मुंद्रा पोर्ट पर एल्युमिनियम स्क्रैप इपोर्ट करने की काबिलियत है और उनका भरोसा जीत

लिया। बाद में, नीरज ने अपने जान-पहचान वाले अभिषेक कुमार विकासमणि त्रिपाठी को प्रवीणभाई की कंपनी में मैनेजर के तौर पर रख लिया। बाद में, आरोपियों ने एक सोची-समझी साजिश रची और A.K. Trading Enterprise PVT LTD के डायरेक्टरों कुलदीप कुमार सिंह और शिव

कुमार पांडे की पहचान हुई। 28 जनवरी 2022 को रीवा में एक सेल्स कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया, जिसमें भरोसा दिलाया गया कि एल्युमिनियम स्क्रैप इसी कंपनी से सप्लाई किया जाएगा। हालांकि, बाद की जांच में पता चला कि मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के रिकॉर्ड के मुताबिक, यह कंपनी 15 अप्रैल 2021 को ही रजिस्टर हुई थी और इसका पेड-अप कैपिटल सिर्फ 20 हजार था। हालांकि, आरोपियों ने शुरू से ही गलत जानकारी देकर धोखाधड़ी का प्लान बनाया था। आरोपियों ने दुबई की कंपनी क्वालिटी मेटल जनरल ट्रेडिंग स्ल्ट के नाम पर स्क्रैप इंपोर्ट करने के लिए कर्माशियल इनवॉइस, सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन और फॉर्म-6 और फॉर्म-9 जैसे नकली डॉक्यूमेंट्स जमा किए थे। इन शिपिंग पेपर्स के आधार पर 2.22 करोड़ रुपये से ज्यादा जब्त किए गए। समुद्र के रास्ते साणंद पहुंचे इंपोर्टेड कंटेनर, कस्टम ने जांच की बाद में,

इंपोर्टेड सामान समुद्र के रास्ते मुंद्रा पोर्ट और वहां से GIDC साणंद पहुंचा। लेकिन शक होने पर कि आरोपी ओरिजिनल बिल नहीं दे रहे हैं, प्रवीणभाई ने गुजरात हाई कोर्ट में एक रिट पिटीशन फाइल की। ??हाई कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, 15 जनवरी 2025 को GIDC साणंद में कस्टम ऑफिसर्स, पंचों और चार्टर्ड इंजीनियर अतनु कुंडू की मौजूदगी में 6 कंटेनर्स की जांच की गई। एल्युमिनियम स्क्रैप न होने का पता चलने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। जिसके अनुसार, जब कंटेनरों को खोलकर कैलिब्रेटेड मेटैलिक गन से टेस्ट किया गया, तो पता चला कि ESRI की परिभाषा के अनुसार कोई एल्युमिनियम स्क्रैप नहीं था। और यह साफ था कि सामान में 98’ से ज्यादा लोहा और बड़ी मात्रा में मिट्टी और बेकार कचरा भरा हुआ था।

राजकोट में बन रहे पुल के काम में बड़ी लापरवाही: प्रशासन ने कानून की मार झेली, दो इंजीनियर सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। वाइब्रेंट और स्मार्ट सिटी की ओर बढ़ रहे राजकोट शहर में बन रहे पुल के काम में सामने आई बड़ी लापरवाही और खराब क्वालिटी के काम पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और प्रशासन ने बहुत सख्त रवैया अपनाया है। लोगों के टैक्स के पैसे और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों और इंजीनियरों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने दो इंजीनियरों को तुरंत सस्पेंड कर दिया है, जबकि डिप्टी कमिश्नर और सिटी इंजीनियर को हाई लेवल पर लापरवाही के लिए शो-काँज

नोटिस जारी किया गया है, जिससे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हलकों में भारी हंगामा मच गया है। राजकोट में ट्रैफिक की दिक्कतों को कम करने के लिए शुरू किए गए करोड़ों के पुल प्रोजेक्ट के काम के दौरान सुपरविजन और टेक्निकल स्टैंडर्ड में बड़ी लापरवाही सामने आई। साइट पर जरूरी इंस्पेक्शन न करना, क्वालिटी चेकिंग में लापरवाही और काम की धीमी रफ्तार जैसी कमियां सामने आईं। जैसे ही यह गंभीर लापरवाही बड़े अधिकारियों के ध्यान में आई, एडमिनिस्ट्रेशन ने शुरुआती जांच के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है जांच की

शुरुआती रिपोर्ट के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने सख्त कार्रवाई की है:

दो इंजीनियर सस्पेंड: साइट की सीधे निगरानी कर रहे और काम के लिए जिम्मेदार दो इंजीनियरों को तुरंत प्रभाव से नौकरी से सस्पेंड करने का आदेश दिया गया है।

बड़े अधिकारियों को नोटिस: इस पूरे प्रोजेक्ट पर सही मॉनिटरिंग और समय पर कार्रवाई करने में नाकाम रहने वाले डिप्टी कमिश्नर और सिटी इंजीनियर को एक

सख्त नोटिस भेजा गया है। उनसे पूरे मामले की जानकारी देने को कहा गया है कि क्यों न उनके खिलाफ भी सख्त डिस्प्लिनरी कार्रवाई की जाए! राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और एडमिनिस्ट्रेशन के इस बड़े कदम से कॉन्ट्रैक्टर और भ्रष्ट अधिकारियों में भारी दहशत फैल गई है। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि पब्लिक सेप्टी से जुड़े किसी भी ड्रीम प्रोजेक्ट या इंफ्रास्ट्रक्चर के काम में कोई लापरवाही या करप्शन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीनियर या जूनियर अधिकारी का शामिल होना सामने आता है।

कोई पैदा होता है तो 6 दिन में छठा, मरता है तो 12 दिन में 12वां लेकिन 6 करोड़ गुजरातियों की असेंबली सिर्फ 3 दिन की '3 दिन के सेशन में डेढ़ दिन छुट्टी पर जाएंगे, जनता के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा कब होगी?' AAP नेता के तीखे त्याग ने गुजरात की पॉलिटिक्स को गरमा दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात असेंबली का मॉनसून सेशन शुरू होते ही विपक्ष और सरकार के बीच तीखी राजनीतिक जंग शुरू हो गई है। असेंबली सेशन सिर्फ तीन दिन का होने से आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता और रूढ़ गोपाल इटालिया ने सरकार की नीतियों और तरीकों पर बेहद तीखे और तीखे हमले किए हैं। सामाजिक परंपराओं का उदाहरण देते हुए गोपाल इटालिया ने सत्ताधारी पार्टी पर कटाक्ष करके सभी राजनीतिक हलकों में खूब चर्चा बटोरी है। इसान के जन्म और मौत के उदाहरण देकर सरकार पर निशाना साधते हुए गोपाल इटालिया ने बहुत ही कड़े और तीखे शब्दों में मजाक उड़ाते हुए कहा, ‘हमारे समाज में अगर बच्चा पैदा भी होता है तो उसका नामकरण और छत्री होती है, अगर कोई मर जाता है तो उसकी बारहवीं होती है, और एक नॉर्मल शादी भी 3-4 दिन चलती है। लेकिन दुख की बात यह है कि हमारी यह असेंबली, जो गुजरात के 6 करोड़ लोगों का भविष्य तय करती है, सिर्फ 3 दिन चलती है!’ ‘डेढ़ दिन छुट्टियों और फॉर्मैलिटीज में बीत जाएगा झ्र गोपाल इटालिया ने आगे कहा, ‘इस छोटे से 3 दिन के सेशन में भी डेढ़ दिन छुट्टियों, शोक प्रस्तावों और सरकारी फॉर्मैलिटीज में बीत जाएगा। असल में, लोगों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कुछ ही घंटे मिलेंगे। अगर सेशन को इतना छोटा रखा जाएगा, तो लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि लोगों के ज्वलंत मुद्दों, किसानों की समस्याओं, महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा-स्वास्थ्य के मुद्दों पर कब और कैसे चर्चा करेंगे?’ विपक्ष का गुस्सा: सरकार चर्चा से भाग रही है इस तरह, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं का आरोप



है कि सरकार विपक्ष के तीखे सवालों और लोगों के गुस्से का सामना करने से डरती है, जिसकी वजह से हर बार विधानसभा के सेशन खत्म हो जाते हैं। गोपाल इटालिया ने चौंकाने वाला आरोप लगाया है कि सेशन का समय कम होने की वजह से लोगों की आवाज दबाने की कोशिश

की जा रही है। गोपाल इटालिया के इस तीखे और जानलेवा हमले के बाद अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि सत्ताधारी पार्टी BJP इसका क्या जवाब देगी।

महाकाल की नगरी उज्जैन में पीजीडीएवी कॉलेज हिन्दी विभाग के प्रोफेसर मनोज कुमार कैन हुए सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। दैनिक समाचार पत्र विनय उजाला के राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026 का भव्य आयोजन मध्यप्रदेश उज्जैन के रामसखा गौतम सभागृह, सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान में किया गया।इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए विशेष व्यक्तियों को देश और समाज के लिए विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। हिन्दी फिल्म जगत की लोकप्रिय सुप्रसिद्ध सिने तारिका पद्मिनी कोल्हापुरी,मुंबई के कर कमलों द्वारा यह सम्मान प्रदान किए गए।इस सम्मान समारोह में नई दिल्ली से आए पीजीडीएवी महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय नेहरु नगर के प्रोफेसर मनोज कुमार कैन को शिक्षा,साहित्य और समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया । भव्य सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्रेस क्लब उज्जैन के अध्यक्ष नंदलाल यादव ने की।सांसद अनिल फिरोजिया,नगर निगम सभापति कलावती यादव, उपमहाविधक्ता सुदीप भार्वा एवं महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।विनय उजाला के प्रबंध



संपादक डॉ.वीरेंद्र मिश्रा, समूह संपादक डॉ. शोभना मिश्रा,संपादक डॉ. विनय मिश्रा सहित मृणाल मिश्रा एवं उन्नति मिश्रा ने इस विशाल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोफेसर मनोज कुमार कैन दिल्ली विश्वविद्यालय पीजीडीएवी महाविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर हैं।लगभग पिछले 25 वर्षों से अध्यापन,लेखन और शोध कार्य के प्रति जुड़े हुए हैं।प्रो कैन शिक्षा और साहित्य के माध्यम से समाज में जन जागरण का

उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस सम्मान के लिए विनय उजाला समाचार पत्र का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस सम्मान का श्रेय अपने उन सभी साथियों को देता हूँ जो निरंतर मेरे कार्यों की सराहना करते हुए मुझे ऊर्जा एवं गति प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित होकर देश और समाज के प्रति और अधिक कार्य करने जिम्मेदारी बन जाती है।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच का बड़ा धमाका: हथक्क क्राइम में डेढ़ महीने से फरार चल रहा आदतन क्रिमिनल ‘राजा सिंघी’ पकड़ा गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच ने ड्रा माफिया पर नकेल कसते हुए बड़ी कामयाबी हासिल की है। क्राइम ब्रांच ने एक आदतन आरोपी को पकड़ा है जो NDPS एक्ट के तहत दर्ज एक गंभीर क्राइम में पिछले डेढ़ महीने से पुलिस से फरार था। क्रिमिनल्स के लिए काल साबित हो रही अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अपने सटीक मुखबिरों के नेटवर्क और मॉडर्न टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर यह हिम्मत वाला ऑपरेशन किया है गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजा उर्फ राजा सिंघी (उम्र 36) के तौर पर हुई है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि आरोपी असल में अहमदाबाद के सैजपुर बोधा इलाके का रहने वाला है। वह लंबे समय से गैर-कानूनी कामों में शामिल था और पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और अंडरग्राउंड हो रहा था आरोपी के खिलाफ वडोदरा शहर के हर्नी पुलिस स्टेशन में MD इस की सप्लाई और बिक्री से जुड़े NDPS एक्ट के तहत एक गंभीर क्राइम रजिस्टर्ड किया गया था। इस मामले में, उसके खिलाफ DPS एक्ट की धारा और 29 के तहत क्राइम रजिस्टर्ड किया गया है। कर्मशियल क्वांटीटी से जुड़ी ये धाराएं बहुत सख्त मानी जाती हैं, जिनमें आरोपी को भारी सजा हो सकती है। वडोदरा में क्राइम रजिस्टर्ड होने के बाद, क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली कि आरोपी अहमदाबाद और आसपास के इलाकों में छिपा हुआ है।



चमचमाते ऑफिस और मेहनत करता आम आदमी

एक तरफ अरबों के डोनेशन वाले महल जैसे BJP ऑफिस, दूसरी तरफ जनधन अकाउंट में अनाज की कमी

आज के तेजी से बदलते डिजिटल जमाने में, शिक्षा की परिभाषा और टीचर की भूमिका, दोनों ही एक बड़े बदलाव के मुहाने पर हैं। इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जमाने में, बच्चे के पास फैक्ट्स या जानकारी की कोई कमी नहीं है। लेकिन, जानकारी हासिल करना और ज्ञान का जन्म — दोनों में जमीन-आसमान का फ़र्क है। आज के समय की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि जब तक टीचर यह नहीं सोचता कि मैं बच्चों से क्या चाहता हूँ, तब तक सारे तरीके, सिलेबस और क्वालिटी के दावे बेकार हैं। शिक्षा सिर्फ़ किताब के पन्ने मोड़कर एग्जाम की आंख शीट में डालने का काम नहीं है। बच्चे का दिमाग कोई स्टोरेज डिवाइस नहीं है, बल्कि अनगिनत संभावनाओं की दुनिया है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

'वे कैसे सोचते हैं' यह समझना, न कि 'वे क्या सोचते हैं', असली प्रीवेट्स है

हर बच्चे की समझ और सीखने की स्पीड अलग होती है। एक क्लासरूम में बैठे चालीस बच्चे एक ही सब्जेक्ट को चालीस अलग-अलग नज़रियों से देख सकते हैं। एक टीचर की असली कामयाबी चालीस बच्चों को एक ही प्रेमवर्क में फिट करने में नहीं है, बल्कि यह समझने में है कि हर बच्चा कैसे सोचता है (प्रोसेस ऑफ़ थिंकिंग)।

जिज्ञासा को जिंदा रखना: जब कोई बच्चा सवाल पूछता है, तो यह उसकी सोच की शुरुआत होती है। उसे 'बैठ जाओ' कहकर डराने के बजाय, उसके सवाल से नए सवाल पैदा करना टीचर की स्किल है।

गलतियाँ करने का अधिकार: सीखने का प्रोसेस गलतियों के बिना मुमकिन नहीं है। गलती करने पर बच्चे को सजा देने के बजाय, उसे यह सोचने पर मजबूर करना कि वह गलती क्यों हुई और उसे कैसे ठीक किया जा सकता है, सही गाइडेंस है।

काबिलियत का सम्मान: एक बच्चा मैथ्स में कमजोर हो सकता है लेकिन ड्राइंग या म्यूजिक में उसकी कमाल की काबिलियत हो सकती है। एक सच्चा टीचर ऐसा माहौल देता है जहाँ बच्चे की छिपी हुई ताकतों को पहचाना जाता है और उन्हें निखारा जाता है, न कि कमजोरियाँ बताई जाती हैं।

समाज के लिए एक प्रेरणा देने वाला उदाहरण: जब विचार बदलते हैं, तो पीढ़ियाँ बदल जाती हैं

आइए इस सच्चाई को समाज के एक प्रेरणा देने वाले उदाहरण से समझते हैं एक ऐसा मामला जिसने ऑखें खोल दी एक गाँव के सरकारी प्राइमरी स्कूल में साइंस और मैथ्स का एक नया टीचर आया। क्लास में एक बच्चा था जो बार-बार मैथ्स के क्वेश्चनों में फेल हो जाता था और हमेशा चुपचाप बैठा रहता था। दूसरे टीचरों ने उसे 'मंदबुद्धि' या 'अनपढ़ पैदा होने' का सोचकर छोड़ दिया था। नए टीचर ने उसे सजा देने के बजाय देखा कि यह बच्चा मैथ्स की क्लास में किताब के पिछले पन्नों पर पेड़ों, पक्षियों और घरों के मैप बहुत सही-सही बना रहा था। टीचर उसके सोचने का तरीका समझ गए। बच्चे की सोच 'एम्ब्रैकेट नंबरों' पर नहीं, बल्कि 'विजुअल्स' पर आधारित थी। टीचर ने नंबर रटाने के बजाय, उसे मैप, ज्योमेट्रिक फिगर और प्रैक्टिकल चीजों को गिनकर मैथ्स सिखाना शुरू किया। बच्चे के अंदर 'सोचने' की काबिलियत सामने आई। वही बच्चा आगे चलकर देश का एक सफल आर्किटेक्ट बना। यह सबक है: टीचर ने बच्चे के दिमाग पर अपना नज़रिया नहीं थोपा, बल्कि बच्चे की सोचने की ताकत को पहचाना और उसे सही दिशा दी। सिर्फ़ टीचर ही नहीं, बल्कि बच्चे की सोच को बनाने में पेरेंट्स का रोल भी बहुत ज़रूरी होता है। घर बच्चे का पहला स्कूल होता है। तुलना करना बंद करें: जब माता-पिता अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करते हैं, तो बच्चे की अपने तरीके से सोचने की क्षमता कम हो जाती है। बच्चे से यह पूछने के बजाय कि उसने क्या नया सीखा है और उसकी सोच कितनी खुली हुई है, उससे यह पूछने की आदत डालनी चाहिए कि उसने एग्जाम में कितने परसेंट नंबर लाए हैं। बच्चे को घर पर अपने विचार बताने और फैसले लेने की थोड़ी आजादी देनी चाहिए, ताकि उसका कॉन्फिडेंस बड़े। हाथ की लकीरें नहीं, टीचर और माता-पिता बच्चे का भविष्य बनाते हैं बच्चों का भविष्य ज्योतिषियों की लकीरों से नहीं, बल्कि टीचरों के मार्गदर्शन और माता-पिता के प्रोत्साहन से बनता है। तो समाज को सिर्फ़ 'कर्मचारी' ही नहीं, बल्कि नए साइंटिस्ट, रिसर्चर, कवि और महान नेता भी मिलेंगे जो समाज को एक नई दिशा देंगे। आओ, टीचर्स और पेरेंट्स मिलकर, एजुकेशन को 'शाब्दिक ज्ञान' की सीमाओं से आगे ले जाएँ और इसे 'विचार ज्ञान' का बराद का पेड़ बनाएँ।

राशिफल

(गुरुवार) 10 सितंबर 2026

 मेघ आज काम में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी	 तुला आज व्यापार और नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं
 वृषभ आज रुके हुए काम पूरे होंगे और परिवार का सहयोग मिलेगा	 वृश्चिक आज सोच-समझकर निर्णय लें, जल्दबाजी से बचना बेहतर रहेगा
 मिथुन आज नई जिम्मेदारी मिल सकती है, मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा	 धनु आज यात्रा या नए संपर्क से लाभ मिलने के संकेत हैं
 कर्क आज धन लाभ के योग हैं, लेकिन खर्चा पर नियंत्रण रखें	 मकर आज मेहनत रंग लाएगी और आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे
 सिंह आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा	 कुंभ आज कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और कोई अच्छी खबर मिल सकती है
 कन्या आज किसी महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और तनाव कम होगा	 मीन आज परिवार के साथ समय अच्छा बीटेगा और मन प्रसन्न रहेगा

एसिड अटैक विक्टिम मेहसाणा की बेटी काजल प्रजापति ने रचा इतिहास एक ही साल में 2-2 सरकारी भर्ती एग्जाम पास करके डिप्टी ममलतदार बनीं

मेहसाणा। कहते हैं कि ‘अगर चाहत हो, तो पहाड़ों पर भी जाया जा सकता है’ और अगर आपमें हिम्मत हो, तो कोई भी मुश्किल हालात भी आपको घुटने टेकने पर मजबूर कर सकते हैं। मेहसाणा जिले के रामोसाना गांव की 28 साल की बहादुर बेटी काजल प्रजापति ने इस कहावत को सच साबित कर दिया है। 10 साल पहले अपने साथ हुए एक बेरहम एसिड अटैक के असहनीय दर्द और 20 से ज्यादा सर्जरी झेलने के बाद भी काजल ने हिम्मत नहीं हारी और एक ही साल में तलाटी-कम-मिनिस्टर और फिर डिप्टी ममलतदार जैसे दो मुश्किल सरकारी भर्ती एग्जाम सफलतापूर्वक पास करके उन्हें आयरन लेडी बना दिया। प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर हुआ था क्रूर एसिड अटैक घटना के विवरण के अनुसार, जब काजल मात्र 18 वर्ष की थी और बीकॉम प्रथम वर्ष में पढ़ रही थी, तब एक युवक ने उसे प्रेम

प्रस्ताव दिया। जब काजल ने अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए इस प्रस्ताव को ठुकरा

परिपक्वता क्या है? रिश्ते में तकरार से समझदारी तक का सफ़र

जिस रिश्ते में अहंकार जीतता है, वहाँ हमेशा प्रेम की हार होती है। परिपक्वता वह है जहाँ व्यक्ति खुद को सही साबित करने के बजाय रिश्ते की बचाना अधिक ज़रूरी समझता है। कोई भी मानवीय रिश्ता काँच के बर्तन की तरह होता है—यदि हाथ से छूट जाए तो टूट जाता है, और यदि बहुत सख्ती से भींच लिया जाए तो अंदर से चटक जाता है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि बिना झगड़े वाला रिश्ता ही सबसे बेहतरीन होता है, लेकिन वास्तव में यह सोच ही अधूरी है। दो अलग-अलग व्यक्तित्व, दो अलग परवरिश और दो अलग सोच जब एक छत के नीचे या भावना के धागे से जुड़ते हैं, तब टकराव होना स्वाभाविक है। सुवाल टकराव का नहीं है, बल्कि उस टकराव से चिंगारी भड़काकर घर जलाना है या अंधेरे में समझदारी का दीपक जलाना है—इस निर्णय का नाम ही परिपक्वता है। आइए समझते हैं तकरार के समय होने वाली घातक गलतियाँ और परिपक्वता का मागः

अपरिपक्व सोच: जब बहस होती है, तब मुद्दे को भूलकर सामने वाले की कमियों, उसकी परवरिश या उसके परिवार पर प्रहार शुरू कर देती है। ‘आप तो हो ही ऐसे’, ‘तुममें कभी अक्ल नहीं आएगी’—ऐसे शब्द लोहे की तलवार से भी गहरा घाव करते हैं।

रिपक्व सोच: कभी अपने साथी से नहीं लड़ती, वह हमेशा समस्या से लड़ती है। बोलते समय इतनी सजगता रखती है कि

गुस्सा परिस्थिति से है, उस इंसान से नहीं जिसके साथ पूरी जिंदगी बितानी है। दूसरी भूलअतीत के गड़े मुँदे उखाड़ने की आदत

अपरिपक्व सोच: बात भले आज देर से आने की हो, लेकिन सूची पाँच साल पुरानी गलतियों तक खिंच जाती है। पुराने जख्मों को बार-बार कुरेदकर ताजा रखना रिश्ते के लिए धीमे जहर जैसा है।

परिपक्व सोच: जो विषय वर्तमान का है, चर्चा केवल उसी पर होती है। अतीत को भूल जाना कमजोरी नहीं, बल्कि रिश्ते को आगे

दिया, तो मानसिक रूप से परेशान युवक ने उस पर एसिड फेंक दिया। इस दिल दहला देने वाले हमले में काजल की एक आंख की रोशनी पूरी तरह चली गई जबकि दूसरी आंख भी अंधी हो गई। उसका चेहरा सामान्य करने के लिए उसकी 20 से अधिक जटिल सर्जरी की गई। बिना महंगी क्लास के सरकारी लाइब्रेरी में ठोर तपस्या आर्थिक रूप से सामान्य रिकशा चालक पिता की बेटी काजल के लिए इलाज का खर्च उठाना मुश्किल था। चूंकि वह महंगी निजी कोचिंग कक्षाएं या निजी लाइब्रेरी की फीस नहीं दे सकती थी, इसलिए काजल ने हिम्मत न हारते हुए मेहसाणा की जिला पंचायत लाइब्रेरी को अपना मंदिर बना लिया। 49,600, काजल ने सबसे पहले ‘तलाटी-कम-मिनिस्टर’ के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम पास किया। लेकिन उनकी मेहनत यहीं नहीं रुकी। उसके बाद,

उन्होंने रेवेन्यू डिपार्टमेंट के तहत क्लास-3 का मशहूर ‘डिप्टी ममलतदार’ एग्जाम भी सफलतापूर्वक पास कर लिया। दोनों सफलताओं से, काजल ने 49,600 रुपये महीने की सैलरी और ज़्यादा जिम्मेदारी के साथ डिप्टी ममलतदार का मशहूर पद चुना है। लाचारी नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान के साथ जीने की प्रेरणा काजल कहती है, ‘मैं लोगों से दया नहीं चाहती थी, बल्कि आत्मनिर्भर बनना चाहती थी और समाज में आत्म-सम्मान के साथ जीना चाहती थी। मैंने अपना चेहरा ढकना बंद कर दिया और इस बात की परवाह किए बिना कि लोग मेरे चेहरे के बारे में क्या सोचेंगे, अपनी लड़ाई खुद लड़ी।’ इस अद्भुत उपलब्धि के साथ, काजल देश भर की सभी पीड़ित महिलाओं और स्टूडेंट्स के लिए एक जीती-जागती प्रेरणा और समाज के लिए एक बेहतरीन मिसाल बन गई है।

बढ़ाने के लिए एक ज़रूरी मुक्ति है। तीसरी भूल: सुनने का नाटक और पलटवार की तैयारी

अपरिपक्व सोच: सामने वाला जब बोल रहा हो, तब उसके शब्दों का मर्म समझने के बजाय केवल यह सोचना कि ‘मैं **परिपक्व सोच:** मौन रहकर सामने वाले के दर्द को सुनती है। कई बार लोग गुस्सा नहीं कर रहे होते, बल्कि अपनी अनकही भावनाओं की चीख निकाल रहे होते हैं। उस चीख के पीछे छिपे दर्द और प्रेम को पहचान लेना ही सच्ची परिपक्वता है।

कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन और श्रीकृष्ण के बीच भी संवाद हुआ था। अर्जुन गहरे विषाद में था, उसने अपने गांडीव और अस्त्र रख दिए थे और उसके प्रश्न बेहद तीखे थे। कृष्ण चाहते तो अपने सर्वोच्च अधिकार और ज्ञान के बल पर अर्जुन को एक ही क्षण में चुप करा सकते थे। लेकिन उन्होंने अर्जुन को बड़े धैर्य से सुना, उसके मन के हर संशय को स्थान दिया और फिर अत्यंत प्रेमपूर्वक उत्तर दिया। दूसरी तरफ़ दुर्योधन और कर्ण का रिश्ता देखिए—वहाँ केवल एक-दूसरे के अहंकार को पोषित किया गया। कभी कड़वे लेकिन सही सत्य को स्वीकार करने की परिपक्वता नहीं दिखाई गई, और परिणाम सर्वनाश के रूप में सामने आया।

दिखाकर सामने वाले के उफान को शांति से सुन ले, तो रिश्ता कभी महाभारत का रणक्षेत्र नहीं बनता।

जीतने का लोभ ही रिश्तों का काल है। हर बहस के अंत में केवल दो ही रास्ते होते हैं: आप सही साबित हों और सामने वाला हार जाए। आप बहस छोड़ दें और रिश्ता जीत जाए। याद रखिए, जिसे आप प्रेम करते हैं उसे हराकर हासिल की गई जीत वास्तव में आपकी सबसे बड़ी हार होती है। क्योंकि जब आप अहंकार से जीतते हैं, तब सामने वाले के दिल में थोड़ा-सा प्रेम मर जाता है। रिश्तों में तनाव आने पर कमरे से बाहर निकल जाना पलायन नहीं, बल्कि आग में और घी न डालने की समझदारी है।

जब आप किसी को माफ़ करते हैं या बहस के बीच रुककर पानी का गिलास थमाते हैं, तब आप छोटे नहीं होते; बल्कि यह साबित करते हैं कि आपके लिए आपका अहंकार नहीं, उस इंसान का वजुद अधिक कीमती है। तकरार से शुरू होकर समझ के किनारे तक पहुँचना ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

गरीबों का निवाला छीनने में अनाज माफियाओं का बोलबाला: सरकारी गोदामों से आटा मिलों तक करोड़ों के अनाज का काला कारोबार

अहमदाबाद में राशन दुकानदारों और माफिया की मिलीभगत से करोड़ों रुपये के अनाज की तस्करी हो रही है, गांधीनगर के अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी के खिलाफ लोगों में गुस्सा चरम पर है

अहमदाबाद। गरीबों, वंचितों और मिडिल क्लास के मुंह से निवाला छीनकर अपनी जेबें भरने वाले अनाज माफियाओं के खिलाफ अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। अहमदाबाद शहर समेत पूरे राज्य में गरीबों के लिए राशन का अनाज सरकारी गोदामों से प्राइवेट आटा मिलों (घंटियों) तक पहुंचाने में खुलेआम करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। सरकारी किताबों में गरीबों तक अनाज पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि हर महीने माफियाओं और भ्रष्ट राशन दुकानदारों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का सरकारी अनाज ब्लैक मार्केट में बेचा जा रहा है। सरकारी अनाज बांटने में कटौती और माफिया बेरहम एक तरफ सरकार ने आम और गरीब लोगों को बांटे जाने वाले अनाज की मात्रा अचानक कम कर दी है, जिससे गरीब परिवार घंटों

लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ घर लौटने को मजबूर हैं। दूसरी तरफ, अनाज माफिया बिना किसी डर के गरीबों को मिलने वाले अनाज को बेरहमी से बेच रहे हैं। राशन दुकानदार ग्राहकों को ‘मात्रा नहीं आई है’ या ‘कम आई है’ जैसे बहाने देकर कालाबाजारी का धंधा चला रहे हैं। गांधीनगर में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी? इतना बड़ा और सुनियोजित घोटाला गांधीनगर के लोकल लेवल के बड़े अधिकारियों की अचानक चुप्पी के बिना मुमकिन नहीं है। लोगों के बीच अब एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है: क्या गांधीनगर के फूड एंड सिविल सप्लाइ डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों को इस घोटाले की जानकारी नहीं है? करोड़ों रुपये के सरकारी अनाज की चोरी के बावजूद, किसी भी बड़े फूड माफिया या अधिकारी के खिलाफ सख्त नेशनल

सिक्वोरिटी या पैरा के तहत कार्रवाई क्यों नहीं की गई? काला धंधा चलाने वाली आटा मिलों पर रेड और सील क्यों नहीं हो रही? आने वाले विधानसभा चुनावों में रूलिंग पार्टी को इसका बहुत बड़ा अनएक्सपेक्टेड असर झेलना पड़ेगा। अगर सरकार ने गरीब लोगों के पेट पर लात मारकर चलाए जा रहे इस काले धंधे के खिलाफ तुरंत और सख्त एक्शन नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में गांधीनगर तक अनशन और बड़ा जनआंदोलन करने की साफ धमकी दी गई है। गरीबों के गुस्से का ज्वालामुखी आने वाले विधानसभा चुनावों में रूलिंग पार्टी के लिए बहुत भारी पड़ सकता है और पॉलिटिकल इक्वेशन बिगाड़ सकता है। अब देखना यह है कि सोया हुआ सिस्टम कब जागता है और अनाज चोरों पर कानून कब शिकंजा कसता है!

इंग्लैंड के खिलाफ 133 रन पर ढेर पाकिस्तान, टॉप-5 बल्लेबाज दहाई तक नहीं पहुंचे; टंग-रॉबिन्सन-आर्चर ने मचाया कहर

बर्मिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। एजबेस्टन में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम महज 133 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से केवल तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। सऊद शकील ने 43 रन की सबसे बड़ी पारी खेली, जबकि मोहम्मद अब्बास ने 21 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने चार विकेट चटकाए, जबकि ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर ने तीन-तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उसके तेज गेंदबाजों ने शुरुआत से ही पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। ओली रॉबिन्सन ने सईम अयूब को खाता खोले बिना एलबीडब्ल्यू कर दिया। यह रॉबिन्सन के टेस्ट करियर का 100वां विकेट भी रहा। इसके

बाद अजान अवैस 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रॉबिन्सन ने अब्दुल्ला शफीक को 3 रन पर आउट किया, जबकि आर्चर ने कसान शान मसूद को सिर्फ 5 रन पर चलता कर दिया। इसके बाद जोश टंग ने पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका दिया। उन्होंने बाबर आजम को 7 रन पर बोल्ड कर दिया। गेंद की लेंथ को बाबर सही तरह से नहीं पढ़ सके और गेंद बल्ले के नीचे से निकलकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। बाबर के आउट होने तक पाकिस्तान का स्कोर 48 रन पर पांच विकेट हो चुका था। पाकिस्तान के लिए सबसे शर्मनाक बात यह रही कि उसके शुरुआती पांचों बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छूने से पहले ही आउट हो गए। इन पांचों बल्लेबाजों ने मिलकर सिर्फ 24 रन बनाए। वर्ष 2000 के बाद टेस्ट की पहली पारी में पाकिस्तान के टॉप-5 बल्लेबाजों का यह दूसरा सबसे कम संयुक्त स्कोर है। टेस्ट इतिहास में यह केवल 12वीं

बार है जब किसी टीम के टॉप-5 बल्लेबाज सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हुए हैं। खास बात यह है कि टेस्ट की पहली पारी में ऐसा पहली बार हुआ। एक छोर पर सऊद शकील ने कुछ संघर्ष किया और पाकिस्तान की ओर से कुविशक 43 रन बनाए। उन्होंने 47 गेंदों में सात चौके लगाए, लेकिन 107 रन के स्कोर पर जोश टंग ने उन्हें बोल्ड कर दिया। नंबर-10 पर उतरे मोहम्मद अब्बास ने 21 रन बनाकर टीम को 133 रन तक पहुंचाने में योगदान दिया। मोहम्मद अली 5 रन बनाकर

नाबाद रहे। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में तीन खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का मौका दिया। गाजी घोरी ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर शानदार शुरुआत की, लेकिन कुछ ही गेंद बाद टंग ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर दिया। वह चार रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद इमरान रंधावा 5 रन पर टंग की शानदार यॉर्कर का शिकार बने, जबकि रजाउल्लाह 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लेी रॉबिन्सन के लिए यह मुकाबला व्यक्तिगत रूप से भी खास रहा। उन्होंने अपने 24वें टेस्ट में 100 विकेट पूरे किए। इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट विकेट सबसे तेजी से लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। 100 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने के समय रॉबिन्सन का गेंदबाजी औसत 19.34 रहा, जो 100 से ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों में बेहद प्रभावशाली आंकड़ा है।



सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। ‘सतधारा’ का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में ‘गंडक’ के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं



सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। रिस्रंस में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित है, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।



भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छीटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत शृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एड्वेंचर परसंद करते हैं तो अवसर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिल्कुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियां और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी

पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंडा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइफिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको ‘मिनी स्विट्जरलैंड’ या ‘भारत का स्विट्जरलैंड’ के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाएं प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनों पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अग्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट में पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड़यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चौरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी में जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के घरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

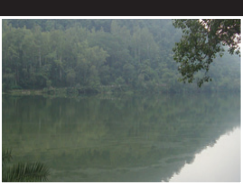
डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में टंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें : हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गंगल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें : डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें : डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी की आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

रेणुका झील कैसे पहुंचें



हवाई मार्ग

मुंब्यार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील



एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीम अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिकी के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिकी ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ‘‘मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेंगी।’’

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिकी ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था



कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परराट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल

उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल

करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर: सविता, बिबू देवी खारीबम।
डिफेंडर: इशिका चौधरी, सुशीला चानू, पुखरामबम, लालथंतलुआमी, ज्योति, शिल्पी डबास।
मिडफील्डर: निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
फॉरवर्ड: लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

सार-समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग

श्री चरण शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजी की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरण पहले, इंग्लैंड की सोफी एवलेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चाली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा



हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें हैं, और पाकिस्तान की नशरा संघु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन केप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमिटेड प्लॉइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट



करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी। गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलनडी'ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मैस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली। पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल, बार्सेलोन, नॉर्विचियन क्लब बोडो/ग्लिमट समेत ब्राजीलियन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मैस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रैस में शामिल है। उन्होंने



एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैपेन पूरी किया। जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बार्सेलोन' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

बेन शेल्टन ने कितना बड़ा उलटफेर

यूएसओपन: क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

नई दिल्ली। बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7 (5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 (10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।



कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया था। हालांकि, बेन शेल्टन ने उनका खिताब का बचाव करने का अभियान रोक दिया।

अल्काराज इस बार अपना आठवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और यूएस ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने की कोशिश कर रहे थे। अगर वह ऐसा कर लेते, तो रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन ट्रॉफी सफलतापूर्वक बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाते। यह स्पेनिश खिलाड़ी अपना आठवां मेजर खिताब जीतने और रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन का खिताब बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा था।

अल्काराज मेजर टूर्नामेंट्स में लगातार 18 जीत के सिलसिले के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरे थे। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिसमें 2025 यूएस ओपन की जीत और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतना शामिल था। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने थे। शेल्टन अब सेमीफाइनल में 11वीं वरियता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ी अपने पहले मेजर फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे। टियाफो के साथ मुकाबलों में शेल्टन 3-1 से आगे हैं। दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिनमें से दो यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर खेले गए हैं। 2023 में क्वार्टर फाइनल मुकाबला शेल्टन ने जीता था, जबकि 2024 में तीसरे दौर के मुकाबले में टियाफो ने जीत दर्ज की थी।



फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाये के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।



टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

फाईव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे भारतीय क्रिकेटर

BCCI बोला- खिलाड़ी व्यवस्था से संतुष्ट



नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौर पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेंगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वही ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मांगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

आवास से जुड़ी समस्या हल हो गई: पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'

क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की- क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की यह पूछे जाने पर शुक्ला ने कहा, 'इसकी व्यवस्था भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई खेल आयोजन समिति और जापान क्रिकेट संघ मिलकर कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'भारत निश्चित तौर पर वहां अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारतीय टीम 22 सितंबर को पहली बार जापान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच (सुजुकी कप) खेलेगी। यह जापान में होने वाला पहला मैच होगा।

महिला एशिया कप: यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज



नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुफवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। गुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। गुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारी खेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार् सुप्रिया और जननी थिरुककुमार ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमार ने 6, रिनिशा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर दी प्रतिक्रिया



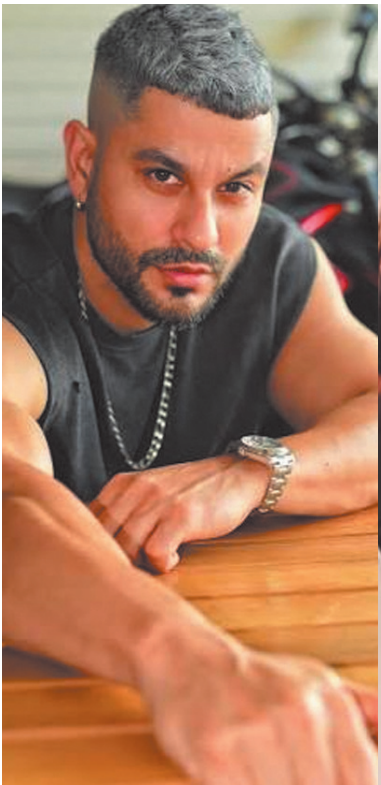
भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहती। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, 'मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूँ कि मीडिया में आकर यह बताऊँ कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूँ, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत

साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, 'आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?' इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुई। इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत

दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई। आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थी कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं। इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'इंटा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, 'इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूँ।



शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल मेरी भी अपनी पहचान है



पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।' अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूँ और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है

और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।' अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं?' अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिवेस्ट करती हूँ कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।' बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंटी जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।



'वाइब': अनचाहे मिशन पर निकलेंगे कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने अपनी अगली फिल्म 'वाइब' का ट्रेलर रिलीज किया। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है जिसमें खुद कुणाल भी प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव के मुख्य किरदारों में हैं। फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर में कॉमेडी और एक्शन दोनों ही सामान्य मात्रा में परोसे गए हैं। कुणाल खेमू की कॉमेडी और स्पर्श श्रीवास्तव के सुलझे हुए अभिनय के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म फैंस का मनोरंजन कर सकती है। फिल्म 'वाइब' के 2 मिनट 44 सेकंड के ट्रेलर में रोमांस और कॉमेडी को दिखाया गया है। ट्रेलर में बताया कि कहानी दो दोस्तों हार्दिक (कुणाल खेमू) और बम्स (स्पर्श श्रीवास्तव) की है। बेपरवाह जिंदगी जीने वाले इन दोस्तों को पता चलता है कि देश एक बड़े खतरे का सामना करने वाला है। इस खतरे से निपटने के लिए दोनों को एक मिशन में शामिल किया जाता है, जिसका यह दोनों ही हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिल्म में प्रीति जिंटा हार्दिक और बम्स की बॉस बनी हैं। वो भी इसमें एक्शन करती नजर आएंगी। दूसरी तरफ अभिनेत्री वशिका धीर, कुणाल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस ट्रेलर में कुणाल की रियल लाइफ सास और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की भी झलक है।

स्पाई वर्ल्ड में कॉमेडी का मसाला 'वाइब' के ट्रेलर में स्पाई वर्ल्ड से प्रेरित कहानी को कॉमेडी में लपेट कर दिखाया गया है। कुणाल के लिए यह दूसरी फिल्म है जिसका वह निर्देशन करेंगे। 'लापता लेडीज' में एक गंभीर किरदार निभाने के बाद स्पर्श श्रीवास्तव पहली बार कॉमेडी रोल में दिखाई देंगे। प्रीति जिंटा की तो 'बंदवारा 1947' के बाद यह रोल उनके लिए भी कुछ नया है। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं



अभिनेत्री अश्वेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूँ। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है?' अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं।'

बिग बॉस 20: फोटोग्राफर्स पर क्यों भड़के सलमान खान

फैंस बेसब्री से सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' का इंतजार कर रहे हैं। शो प्रीमियर होने से पहले ही यह काफी चर्चा में है। इस बीच शो के होस्ट सलमान खान का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनको पैपराजी पर नाराज होते हुए देखा जा सकता है।

क्यों नाराज हुए सलमान खान

'बिग बॉस 20' के प्रमोशन के लिए शूटिंग के दौरान एक पैपराजी ने सलमान खान को 'बाबा' कहकर बुलाया। इससे सलमान खान नाराज हो गए। उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा 'बाबा? ये तेरा काम नहीं है। मुझे कैमरा के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।' वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पैपराजी से परेशान होते हुए दिख रहे हैं। रियलिटी शो के 6 सितंबर को प्रीमियर से पहले उन्हें सेट पर देखा गया। शुरू में तो उन्होंने फोटोग्राफर्स के लिए पोज दिया, मगर बाद में बार-बार फोटो की रिवेस्ट से वे विद्रोह हुए।

शूटिंग के वायरल वीडियो में सलमान खान को सेट के पास फोटोग्राफर्स से बात करते हुए देखा जा सकता है। एक्टर ने उनसे स्टैंड से कुछ दूरी बनाए रखने को कहा। जब रिवेस्ट आती रही, तो वे अपनी झुंझलाहट जाहिर करते दिखे। सलमान खान 'बिग बॉस' के 20वें सीजन के होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस हिंदी रियलिटी शो का प्रीमियर 6 सितंबर को होना है। इसमें माही विज, अर्शिका खान, ईशा रिखी, रिया अहीर, काजी तौकीर और कनिका मान नजर आ सकते हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म में सलमान खान ने रश्मिका मंदाना के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। जल्द ही सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ चित्रगदा सिंह अहम किरदार में होंगी।

अपनी आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं नीति मोहन

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपमान और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। 'माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। 'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, 'माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है।



मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।' नीति ने आगे कहा, 'इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी की साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।'

एपल के नए आईफोन को लेकर बड़ा बदलाव, आज के इवेंट में स्टैंडर्ड मॉडल नहीं होगा लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कैलिफोर्निया। एपल के 9 सितंबर को होने वाले सालाना इवेंट में इस बार कंपनी के आईफोन लाइनअप में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एपल इस इवेंट में स्टैंडर्ड आईफोन 18 लॉन्च नहीं करेगी। इसके बजाय कंपनी आईफोन 18 प्रो, आईफोन 18 प्रो मैक्स और अपने पहले फोल्डेबल आईफोन समेत प्रीमियम डिवाइस पेश कर सकती है। मेमोरी चिप की बढ़ती कीमतों को इस बदलाव की प्रमुख वजह बताया जा रहा है। यह इवेंट एपल के नए सीईओ जॉन टर्नस के लिए भी खास होगा। 1 सितंबर को टिम कुक के पद छोड़ने के बाद जॉन टर्नस ने कंपनी की कमान संभाली है और यह उनका बतौर सीईओ पहला बड़ा प्रजेंटेशन होगा। भारतीय समयानुसार इवेंट रात 10:30 बजे शुरू होगा। इसे एपल की वेबसाइट के जरिए लाइव देखा जा सकेगा। इस बार सबसे ज्यादा चर्चा एपल के पहले फोल्डेबल आईफोन को लेकर है। कंपनी के सामने इसे बाजार में उतारने से पहले कई तकनीकी चुनौतियां हैं। फोन की स्क्रीन, हिंज, कैमरा, बैटरी और मोटाई के बीच सही संतुलन बनाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। फोल्डेबल फोन को बार-बार खोलने और बंद करने के बावजूद हिंज मजबूत रहना जरूरी होगा। फोल्डेबल आईफोन की स्क्रीन के बीच दिखाई देने वाली क्रीज को कम रखना भी एपल के लिए महत्वपूर्ण होगा। फोन खोलने पर यूजर्स को बड़ी स्क्रीन मिले, लेकिन बंद करने पर डिवाइस जरूरत से ज्यादा मोटा महसूस न हो, इसके लिए कंपनी को डिजाइन और इंजीनियरिंग में काफी संतुलन बनाना पड़ सकता है। फोल्डेबल आईफोन के कैमरा सेटअप को लेकर भी कई रिपोर्ट्स में संभावनाएं सामने आई हैं। माना जा रहा है कि फोन के पीछे दो कैमरे दिए जा सकते हैं, जिनमें मुख्य और अल्ट्रा-वाइड कैमरा शामिल होंगे। अगर ऐसा होता है तो प्रीमियम मॉडल होने के बावजूद इसमें टेलीफोटो कैमरा नहीं मिलेगा। बड़ी फोल्डेबल स्क्रीन को चलाने के लिए फोन में पर्याप्त क्षमता वाली बैटरी की जरूरत होगी। लेकिन बैटरी का आकार बढ़ाने से डिवाइस की मोटाई भी बढ़ सकती है। ऐसे में एपल के सामने ज्यादा बैटरी क्षमता और पतले डिजाइन के बीच संतुलन बनाने की चुनौती रहेगी। आईफोन के साथ कंपनी नए विजयेबल्स, नई एपल वॉच और एयरपॉड्स भी पेश कर सकती है।

नीम करौली बाबा के पुश्तैनी घर पर विवाद, 6 पोटियों ने ट्रस्ट सचिव पर लगाया कब्जे का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। नीम करौली बाबा की विरासत से जुड़ा उनका पुश्तैनी घर अब परिवार और ट्रस्ट के बीच विवाद का केंद्र बन गया है। बाबा पर बनी फिल्म ‘हनुमान अंश’ के 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई करने के बीच उनकी जन्मस्थली अकबरपुर स्थित मकान को लेकर परिवार की छह पोटियों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। शिकायत में श्री ठाकुर हनुमान ट्रस्ट के सचिव संजय गुप्ता पर संपत्ति पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। दूसरी ओर, परिवार के ह्ी सदस्य इन आरोपों को लेकर अलग राय रखते हैं और कहते हैं कि घर का रखरखाव लंबे समय से ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। नीम करौली बाबा, जिन्हें नीम करौरी बाबा के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म फिरोजाबाद से करीब 15 किलोमीटर दूर अकबरपुर गांव में हुआ था। ग्राम पंचायत के मकान नंबर 154-व को बाबा का पुश्तैनी घर बताया जाता है। इस मकान में बाबा का ध्यान कक्ष, भोजनालय, अतिथि कक्ष और शयन कक्ष बना हुआ है। श्री ठाकुर हनुमान ट्रस्ट की ओर से इसका रखरखाव किया जाता है। परिवार और ट्रस्ट के अधिकारों को लेकर अब इसी संपत्ति पर विवाद खड़ा हुआ है। बाबा के पोते धनंजय शर्मा का कहना है कि मकान को लेकर परिवार की ओर से पहले ट्रस्ट को देने की सहमति थी। उनके मुताबिक, जब मंदिर बनाया गया था, तब उनके पिता और चाचा ने कहा था कि उनके निधन के बाद मकान ट्रस्ट को दे दिया जाए, लेकिन उस समय कोई लिखित दस्तावेज नहीं बनाया गया। धनंजय के अनुसार मकान करीब 450 वर्गफीट में बना है और यह कोई करोड़ों रुपए की संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाद से बाबा का नाम खराब हो रहा है। धनंजय शर्मा के मुताबिक, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अकबरपुर गांव में करीब 5 हेक्टेयर जमीन पर नीम करौली बाबा से जुड़ा कॉरिडोर विकसित करने की तैयारी कर रहा है। जमीन भी लिखित की जा चुकी है और इसे कैचेंजी धाम की तर्ज पर विकसित करने की योजना बताई जा रही है। इसी बीच पुश्तैनी घर के अधिकार और प्रबंधन को लेकर विवाद सामने आया है।

‘भाई, मैं मर रहा हूं मलबे में दबे नीरज के वो आखिरी शब्द, 4 घंटे तक ज़िंदगी और मौत से जूझते रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पांच मंजिला हॉस्टल बिल्डिंग के अचानक भरभराकर गिरने के बाद कई टन मलबे के नीचे दबे नीरज बाबा ने अपने करीबी लोगों को फोन कर मदद की गुहार लगाई। गंभीर चोटों के बावजूद नीरज ने किसी तरह फोन मिलाया और अपने कजिन रेहित छिब से बात की। उन्होंने फोन पर सिर्फ पांच शब्द कहे- ‘भाई, मैं मर रहा हूं।’ नीरज फिलहाल गंभीर हालत में एम्स में भर्ती हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में सेकेंड ईयर के छात्र नीरज बाबा और नितेश नितेश हार्दसे के समय अपने-अपने कमरों में मौजूद थे। नितेश रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे खाना खाने के बाद अपने कमरे में लौटा था। इसी दौरान उसे दीवार की तरफ से पानी जैसी आवाज सुनाई देने लगी। कुछ देर बाद आवाज तेज हो गई। नितेश ने पास के कमरे में रहने वाले नीरज से पूछा कि क्या उसे भी आवाज सुनाई दे रही है। नीरज ने हां में जवाब दिया। इसके करीब दो सेकेंड बाद ही पूरी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई और दोनों छात्र मलबे के नीचे दब गए।ह नितेश ने बताया कि उसके ऊपर लैंटर जैसा भारी मलबा गिर गया था। मलबे और लैंटर के नीचे एक छोटा गैप बन गया था, जिससे उसका चेहरा उस जगह फंस गया। इसी वजह से वह सांस ले पा रहा था और बोल भी पा रहा था। हालांकि उसके पैर मलबे में दबे हुए थे। नितेश ने नीरज को आवाज लगाई तो उसने जवाब दिया कि उसे बहुत दर्द हो रहा है। नीरज जिस हिस्से में फंसा था, वहां मलबा ज्यादा था और धूल भी भरी हुई थी। इसके कारण उसे सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। नितेश ने मलबे के अंदर से लगातार मदद के लिए आवाज लगाई। कुछ देर बाद रेस्क्यू टीम मलबे के ऊपर पहुंची। इसी दौरान उसने बचावकर्मियों को दूसरी इमारत के भी गिरने की आशंका जताते हुए आपस में बात करते सुना।

महानगर मेट्रो

वंदे मातरम के पूरे संस्करण पर विवाद, श्रीनगर में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस आमने-सामने

श्रीनगर में फिल्म महोत्सव के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस ने जताई आपत्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में वंदे मातरम के पूरे संस्करण के गायन को लेकर कांग्रेस और उसकी गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच मतभेद सामने आ गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण गाए जाने के बाद कांग्रेस ने आपत्ति जताई। इसके बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई और भाजपा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। विवाद की शुरुआत सोमवार को जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान हुई। कार्यक्रम में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया गया। इसके बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपनी स्थिति स्पष्ट रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के शुरुआती दो पैरा गाने का फैसला किया गया है और इसी व्यवस्था के अनुरूप रख बनाए रखना चाहिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता बशीर अहमद ने कांग्रेस की आपत्ति पर कहा कि



गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद कांग्रेस यह तय नहीं कर सकती कि वंदे मातरम कितना गाया जाए। उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल को अपनी बात रखने और दबीठ करने का अधिकार है, लेकिन उनका फैसला दूसरी पार्टी पर थोपा नहीं जा सकता। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इसे लोगों की पसंद का विषय बताते हुए कहा कि उनकी पार्टी किसी पर अपनी पसंद थोपने के पक्ष में नहीं है कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के छह में से केवल



शुरुआती दो पैरा गाने का फैसला किया था। यह निर्णय 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर हुए विवाद के बाद लिया गया था। कांग्रेस का कहना है कि उस समय अपनाए गए संस्करण को ही गाया जाना चाहिए, ताकि गीत को सांप्रदायिक रंग दिए जाने से बचाया जा सके। विवाद के बीच भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उसे ‘मुस्लिम लीग’ की राजनीति करने वाली पार्टी बताया। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस राष्ट्रीय गीत के पूरे संस्करण के गायन कोलेक्टर अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है। गृह मंत्रालय ने 9 जुलाई

को राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को वंदे मातरम और जन गण मन के गायन को लेकर निर्देश जारी किए थे। इनमें दोनों के सही बोल, उच्चारण और तय प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया था। निर्देशों के अनुसार, यदि किसी कार्यक्रम में वंदे मातरम और जन गण मन दोनों का गायन या वादन होता है, तो पहले वंदे मातरम और उसके बाद राष्ट्रगान होगा। वहीं, जिस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का अपना राज्य गीत है, वहां क्रम पहले राज्य गीत, फिर वंदे मातरम और अंत में जन गण मन का होगा।

जालोर निकाय चुनाव में हंगामा: 61 मतदाताओं के नाम कटने का आरोप फर्जी वोट डालने पहुंचे युवक की पिटाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले में बुधवार को जालोर नगर परिषद, आहोर और सायला नगर पालिका के लिए मतदान जारी है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। इसी बीच जालोर के वार्ड नंबर 35 में 61 लोगों के नाम मतदाता सूची से कटने का मामला सामने आया, जिसके बाद लोगों ने विरोध जताया। लोगों का आरोप है कि नाम काटे जाने के बाद उन्हें दूसरे वार्ड में भी मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया। वार्ड नंबर 35 में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी दिखाई दी। प्रभावित लोगों ने मतदान से वंचित होने को लेकर विरोध जताया। लोगों का कहना है कि उनका नाम दूसरे वार्ड में भी नहीं जोड़ा गया, जिसके कारण वे अपने मतदाधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे

हैं। वहीं वार्ड नंबर 34 के पीएमश्री सरकारी स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर एक युवक के फर्जी वोट डालने पहुंचने का मामला सामने आया। जानकारी मिलते ही उसे मतदान केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद युवक वहां से भागने लगा तो बाहर मौजूद प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने बीच-बचाव करते हुए युवक को भीड़ से छुड़ाया और थाने ले गईं। कांग्रेस प्रत्याशी पुखराज माली ने इस मामले में कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी है। वार्ड नंबर 34 में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग भी मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोग अपने मतदाधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुबह 10 बजे तक जालोर में 24.21 तिशत, आहोर में 37.11 प्रतिशत और सायला में 31.61 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान को



लेकर लोगों में उत्साह नजर आया और कई केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं। जालोर नगर परिषद में मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ। यहां 40 वार्डों के लिए करीब 44 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिले में 41,349 मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। वार्ड नंबर 27, 38, 39 और 40 बड़े होने के कारण इन क्षेत्रों में मुख्य और सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

वहीं सायला नगर पालिका के 25 वार्डों के लिए 25 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जालोर नगर परिषद, आहोर नगर पालिका और सायला नगर पालिका में प्रथम चरण के तहत चुनाव हो रहे हैं। इन निकायों में कुल 250 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जालोर नगर परिषद में 173 उम्मीदवार और सायला में 77 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है। जालोर में वार्ड नंबर 4, 33, 34 और 40 को चर्चित सीटों में माना जा रहा है। इन वार्डों से भाजपा के प्रत्याशियों के सभापति पद की दावेदारी से जुड़े होने के कारण चुनावी मुकाबले पर विशेष नजर बनी हुई है। मतदान के दौरान सामने आए विवादों ने निकाय चुनाव की सरगमीं और बढ़ा दी है।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत गिरने से सात लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार और नगर निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम को अवैध पीजी और हॉस्टलों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सत्य निकेतन में हादसे के बाद एमसीडी ने पीजी बिल्डिंग के आसपास स्थित अन्य इमारतों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है। इनमें गर्ल्स पीजी भी शामिल हैं। सुरक्षा को देखते हुए यहां रहने वाली छात्राएं पीजी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक एमसीडी की ओर से 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा चुकी थी,

जबकि सात अवैध ढांचों को सील किया गया था।

हादसे में सात लोगों की मौत

सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग अचानक भरभराकर गिर गई थी। हादसे में सात लोगों की मौत हुई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बुधवार तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश, लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज और पीजी संचालक सुधांशु शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सुधांशु बिल्डिंग में ‘हॉस्टल डेज’ नाम से पीजी चला रहा था। उसका पार्टनर शुभम त्यागी अभी फरार है। दोनों ने अगस्त 2025 में यह बिल्डिंग लीज पर ली थी। इससे पहले गिरफ्तार किए गए बिल्डिंग मालिक और उसके परिवार के सदस्यों से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि



बेसमेंट में पानी और सीलन की समस्या दूर करने के लिए मरम्मत का काम कराया जा रहा था। बेसमेंट से पानी निकालने के बाद निर्माण कार्य के दौरान पावर ट्रेबल मशीन भी चलाई जा रही थी। पुलिस को आशंका है कि मशीन से पैदा हुई कंपन और पहले से कमजोर संरचना के कारण इमारत की स्थिति बिगड़ी और वह ढह गई। पूछताछ में लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज ने बताया कि उसे करीब 10 दिन पहले रेनोवेशन के काम के लिए लगाया गया था और उसे 2800 रुपये प्रतिदिन दिए जा रहे थे। बेसमेंट को ग्राउंड फ्लोर के

गैस सिलेंडर वाहन की टक्कर से एक बैल की मौत, दूसरा गंभीर घायल

हादसे के बाद खेत में जा घुसा सिलेंडरों से भरा वाहन, चालक पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागौड़ा। बौड़ा-भीनमाल स्टेट हाइवे पर नरसना क्षेत्र में मंगलवार को गैस सिलेंडर से भरे वाहन की चपेट में आने से दो बैल घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बैल गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद गैस सिलेंडर से भरा वाहन सड़क से उतरकर खेत में जा घुसा। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और घायल बैल को उपचार के लिए पशु अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार धुन्बड़िया स्थित इंडेन गैस एजेंसी का वाहन गैस सिलेंडर लेकर सेवड़ी की तरफ जा रहा था। नरसना के आगे अचानक दो बैल वाहन की चपेट में आ गए। वाहन की टक्कर इतनी जोरदार

थी कि एक बैल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दूसरा बैल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। ग्रामीणों ने तत्काल घायल बैल को संभाला और उसे पशु अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू करवाया। ड्राइवर पर नशे में वाहन चलाने का आरोप हादसे के बाद ग्रामीणों ने वाहन चालक पर शराब के नशे में और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों के मुताबिक टक्कर के बाद चालक काफी देर तक वाहन में ही बैठा रहा। ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की जांच कर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। हालांकि चालक के नशे में होने की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। हादसे के समय वाहन में बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर भरे हुए थे। टक्कर के बाद वाहन के सड़क से उतरकर खेत में चले जाने से आसपास मौजूद ग्रामीणों में चिंता



फैल गई। ग्रामीणों का कहना था कि यदि वाहन पलट जाता या सिलेंडरों को किसी प्रकार का नुकसान

पहुंचता, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। गनीमत रही कि वाहन खेत में जाकर रुक गया और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। बागौड़ा थानाधिकारी बलदेवराम ने बताया कि हादसे की जानकारी पुलिस को मिली है। सूचना के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने

के बाद मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।